

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

शिव बनना इतना आसान नहीं है राहुल भाई, पहले शिव को समझ तो लो!

‘गुनाह करने की भी अजीब फितरत है हमारी जानते हुए भी एक ही गलती दोहराए जाते हैं’

कांग्रेस की राजनीति को देखकर यह पंक्तियां बरबस याद आती हैं। राहुल गांधी आखिर कब तक वही गलतियां दोहराते रहेंगे? क्रिकेट की भाषा में कहें तो विरोधी को हराने के लिए उसे उसकी पसंद की पिच पर खिलाने के बजाय ऐसी पिच पर मुकाबले के लिए मजबूर करना चाहिए, जहां आपकी रणनीति कारगर हो। लेकिन कांग्रेस बार-बार भाजपा की बनाई पिच पर खेलने उतरती है और अपने ही दांव में उलझ जाती है। 12 अक्टूबर को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के आंदोलन और सुप्रीम कोर्ट की ओर कूच के दौरान राहुल गांधी ने अपने आंदोलन को शिव का तांडव और शिव की बारात बताया। बहन प्रियंका गांधी के प्लानिंग संबंधी सवाल पर उनका जवाब था कि यह तांडव है, इसमें कोई प्लानिंग नहीं होती। आंदोलन को शिव की बारात बताते हुए उन्होंने सबके लिए दरवाजे खुले होने की बात कही।

राहुल भाई, सवाल यह नहीं कि आपको अपने आंदोलन के लिए पौराणिक प्रतीकों का सहारा लेने का अधिकार है या नहीं। सवाल यह है कि जिस सनातनी पिच पर भाजपा राम और कृष्ण के प्रतीकों के सहारे अपनी राजनीति की लंबी पारी खेलती आई है, उसी पर शिव



प्रसंगवश
राजेश सिरोटिया

कांग्रेस की गलतियों पर भाजपा की वेट एंड वॉच

चार दशकों की पत्रकारिता में मैंने कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक संघर्ष के अनेक दौर देखे हैं। कई मौकों पर कांग्रेस की रणनीतिक उलझनों ने भाजपा को अपने मुद्दे मजबूत करने का अवसर दिया। कांग्रेस नेतृत्व को लगता रहा कि उसने कोई नया दांव चलकर विरोधियों को चौंका दिया है, लेकिन उसके परिणाम उम्मीदों के विपरीत निकले। राहुल गांधी के सामने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की चुनौती भी है। क्या शिव तांडव और शिव की बारात का यह रूपक कांग्रेस को अपनी स्वतंत्र राजनीतिक जमीन मजबूत करने में मदद करेगा, या गठबंधन की राजनीति में समाजवादी पार्टी को अधिक लाभ पहुंचाएगा? इसका उत्तर अभी भविष्य के गर्भ में है। लेकिन इतना तय है कि गठबंधन में एक दल की रणनीति का असर उसके सहयोगियों पर भी पड़ता है। और रही बात शिव की बारात की, तो राहुल भाई, बारात आखिर किसके विवाह के लिए निकली है? संविधान की रक्षा का दावा अपनी जगह है, लेकिन क्या इस राजनीतिक बारात का अंतिम लक्ष्य संवैधानिक जवाबदेही सुनिश्चित करना है या सत्ता की दुल्हन तक पहुंचना? इसका उत्तर नारों से नहीं, आंदोलन की दिशा और परिणामों से मिलेगा।

का रूपक लेकर उतरने की जरूरत आपको क्यों महसूस हुई? क्या आप भाजपा को उसके ही मैदान में चुनौती देने निकले हैं या एक बार फिर उसी राजनीतिक मुकाबले में फंस गए हैं, जिसमें कांग्रेस पहले भी अपने विकेट गंवा चुकी है? राम की मर्यादा और कृष्ण के कर्मयोग तथा गीता के संदेश को समझने की चुनौती अपनी जगह है। शिव का संसार भी कम गूढ़ नहीं है। उनके तांडव को केवल आक्रामकता, अव्यवस्था या बिना योजना के आगे बढ़ने का पर्याय नहीं माना जा सकता। नटराज का नृत्य सृष्टि की गति, परिवर्तन और लय का प्रतीक है। शिव का व्यक्तित्व वैराग्य, समभाव और अहंकार के विसर्जन से भी जुड़ा है।

इसी तरह शिव की बारात का अर्थ केवल ऐसी भीड़ नहीं है, जिसमें हर तरह के लोग शामिल हो जाएं। पौराणिक आख्यानों में देवताओं के साथ शिवगणों की उपस्थिति उनके विलक्षण स्वरूप

को सामने लाती है। भस्म रमाने वाले, सर्प को गले लगाने वाले और सामाजिक आडंबरों से दूर रहने वाले शिव का दर्शन बाहरी प्रतिष्ठा से परे देखने की प्रेरणा देता है। राहुल भाई, शिव के तांडव को अपने आंदोलन की रणनीति से जोड़ना आपकी राजनीतिक अभिव्यक्ति है। लेकिन क्या किसी आंदोलन का अनियोजित होना उसकी ताकत का प्रमाण है? दृढ़ता और योजना एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में आंदोलन का उद्देश्य, उसकी दिशा और उसके परिणामों की जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। इसी तरह शिव की बारात को समावेशिता का प्रतीक बताना आसान है, लेकिन उस विचार को व्यवहार में उतारना कठिन। किसी राजनीतिक आंदोलन की परीक्षा इस बात से भी होती है कि उसमें असहमति रखने वालों के लिए कितनी जगह है और विरोधियों के प्रति लोकतांत्रिक सम्मान कितना है।

शिव किसी राजनीतिक दल की बपौती नहीं हैं। उनके नाम और प्रतीकों पर चर्चा करने का अधिकार सबको है। लेकिन शिव के दर्शन की कसौटी भी सबके लिए समान होनी चाहिए। तांडव का रूपक आंदोलन की ऊर्जा समझाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है और बारात का उदाहरण समावेशिता का संदेश देने के लिए भी। मगर प्रतीकों की साधकता तभी है, जब उनके पीछे के मूल्यों को समझा जाए। राहुल भाई, क्रिकेट में हर गेंद पर बल्ला घुमाना जरूरी नहीं होता। कभी-कभी सही गेंद का इंतजार करना भी जीत की रणनीति होता है। कांग्रेस यदि बार-बार भाजपा की चुनी हुई पिच पर ही मुकाबला करेगी, तो अपनी स्वतंत्र राजनीतिक जमीन मजबूत करने का अवसर कब पाएगी?

शिव बनना इतना आसान नहीं है राहुल भाई, पहले शिव को समझ तो लो!

(जारी)

दहशत... कैप्टन रिमंत मच्छार की फ्लाईट दुर्घटना से भी ऐसा ही मैसेज मिला था

जर्मनी से दिल्ली आ रही फ्लाइट से हाईजैक अलर्ट... जयपुर में कराई इमरजेंसी लैंडिंग

- एनएसजी कमांडो टीम को दे दिए गए थे तैयार रहने के निर्देश
- सिस्टम की गलती से मैसेज जाने की खबर, सभी यात्री सुरक्षित

जयपुर, एजेंसी

फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI-2030 की आज सुबह जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट से अहमदाबाद एयर ट्राफिक कंट्रोल को हाईजैक का सिग्नल मिला था। यह जानकारी जयपुर एटीसी से साझा की गई। इसके बाद दिल्ली से जयपुर तक हड़कंप मच गया। गृह मंत्रालय को भी अलर्ट की जानकारी दे दी गई। करीब 45 मिनट बाद विमान को जयपुर में उतारा गया। शुरुआती जांच में सिस्टम की गलती के कारण मैसेज जनेट होने की जानकारी है। सूत्रों के अनुसार हाईजैक मैसेज मिलने की बाद दिल्ली में एनएसजी कमांडो टीम को स्टैंड बाय पर रहने की निर्देश दे दिए गए थे और वह जयपुर रवाना होने की लिए तैयार थी।

फ्लाइट डिक्टर के मुताबिक, विमान ने 13 अक्टूबर की रात 9:45 बजे फ्रैंकफर्ट से उड़ान भरी थी। उसे आज सुबह 10:40 बजे दिल्ली पहुंचना था, लेकिन जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट लैंड होने के बाद से जयपुर एयरपोर्ट पर आइसोलेशन-बे में है। सुरक्षाबलों ने सभी यात्रियों और विमान की गहन जांच पड़ताल की। इसके बाद सभी पैसेंजर्स को उतार लिया गया। 30 सितंबर को इजराइल जा रही फ्लाइट दुर्घटना से भी हाईजैक सिग्नल कोड 7500 भेजा गया था। इस प्लेन की को - पायलट ने हाईजैक और क्रैश करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय पायलट कैप्टन रिमंत मच्छर



एयर इंडिया का वह विमान जिसकी जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इनसेट: यात्रियों को सुरक्षा घरे में बाहर ले जाया गया।

ने ऐसा होने से रोक दिया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अलर्ट मैसेज गलती से जनेट हुआ था। सूत्रों के अनुसार ये सिस्टम में टेक्निकल फॉल्ट के कारण हुआ है। हालांकि, अब भी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड हैं। घटना को लेकर गृह मंत्रालय बेहद गंभीर है। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9 बजे अहमदाबाद एयर ट्राफिक कंट्रोल (ATC) को कुछ सेकेंड का 7500 कोड का सिग्नल भेजा गया था। इसे हाईजैक की सिचुएशन वाला कोड माना जाता है। इसके बाद सुबह करीब 9.10 मिनट पर फ्लाइट का रूट बदलकर जयपुर किया गया।

अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोंडर कोड है 7500

विमानन में 7500 अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोंडर कोड है, जिसका इस्तेमाल विमान के अपहरण या गैरकानूनी कब्जे की स्थिति बताने के लिए किया जाता है। यह सामान्य आपात संकेतों से अलग है। 7700 सामान्य आपात स्थिति और 7600 रेडियो संचार में खराबी का संकेत देता है। 7500 कोड मिलने पर एयर ट्राफिक कंट्रोल संबंधित विमान की स्थिति पर नजर रखता है और तय सुरक्षा प्रक्रिया के तहत अधिकारियों को सूचना दी जाती है। हालांकि, केवल कोड मिलने से अपहरण की पुष्टि नहीं होती, परिस्थितियों की जांच जरूरी होती है। 30 सितंबर को फ्लाइट दुर्घटना की इजराइल जा रही उड़ान में भी 7500 कोड का मामला सामने आया था। इस घटना में भारतीय पायलट कैप्टन रिमंत मच्छर ने कथित तौर पर सह-पायलट की हारकत के बीच विमान को सुरक्षित संभालने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसी घटनाओं में पायलट का प्रशिक्षण, कॉकपिट में तय प्रक्रियाओं का पालन और एयर ट्राफिक कंट्रोल के साथ समन्वय बेहद महत्वपूर्ण होता है।

एलन मस्क की स्टारलिनक का विरोध तेज

डिजिटल सम्प्रभुता से कोई समझौता नहीं

एलन मस्क की स्टारलिनक को लेकर विरोध की स्वर तेज होते जा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच ने भीकेन्द्र सरकार से मांग की है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी चिंताओं का समाधान होने तक कंपनी को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति न दी जाए। सवाल सीधा है- गांव-गांव इंटरनेट पहुंचाने के नाम पर क्या भारत अपनी डिजिटल सुरक्षा से जुड़ा कोई जोखिम उठा सकता है?

यह आशंका निराधार नहीं है कि उपग्रहों के बीच लेजर संपर्क और विदेशी नेटवर्क पर निर्भरता के कारण भारतीय इंटरनेट ट्राफिक की निगरानी, आंकड़ों की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की पहुंच



10 अक्टूबर को प्रकाशित।

जटिल हो सकती है। संकट, दंगों या सुरक्षा अभियानों के दौरान इंटरनेट सेवाओं पर नियंत्रण की चुनौती भी गंभीर है। इसलिए स्टारलिनक की मंजूरी रोकने को महज कारोबारी विवाद कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। स्वदेशी जागरण मंच ने मुकेश अंबानी और सरकार पर मस्क की टिप्पणियों को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए आरोप लगाया है कि नियमों की शर्तें पूरी करने के बजाय दबाव बनाने की कोशिश हो रही है।

भारत को इंटरनेट चाहिए, डिजिटल पराधीनता नहीं

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील विराग गुप्ता ने भी मस्क की कारोबारी रणनीति और लॉबिंग को लेकर तीखी टिप्पणी की है। अमेरिकी चुनावों में 60 करोड़ डॉलर के चंदे और रिश्तों की खबरें आम हैं। भारत को इंटरनेट चाहिए, डिजिटल पराधीनता नहीं। दूरदराज के गांवों तक तेज इंटरनेट पहुंचाना जरूरी है, लेकिन इसकी कीमत देश की सामरिक सुरक्षा और डेटा पर नियंत्रण खोकर नहीं चुकाई जा सकती। सरकार को स्टारलिनक समेत हर कंपनी के लिए समान, पारदर्शी और कठोर सुरक्षा मानक तय करने चाहिए। सरकार के अब तक के रुख से स्पष्ट है कि मस्क हों या कोई दूसरा कारोबारी, भारतीय नियमों से ऊपर कोई नहीं हो सकता।

न्यूज ब्रीफ

लाइली बहना: आज खाते में ट्रांसफर होगी राशि

उमरिया, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज उमरिया जिले के गुरुवाही गांव से लाइली बहना योजना की 41 वीं किस्त जारी कर रहे हैं। सिंगल क्लिक के जरिए प्रदेश की 1.25 करोड़ पात्र महिलाओं के अकाउंट में 1500-1500 रुपए ट्रांसफर किए जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री 144.15 करोड़ रुपए की लागत के 136 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी करेंगे।

हैदराबाद में अजेय है भारत: चौथा टी-20 आज

मुकाबला आज हैदराबाद में खेला जाएगा। मैच राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में शाम 7 बजे से शुरू होगा। टीम इंडिया सीरीज में 2-1 से आगे है। गौरतलब है कि टीम इंडिया ने हैदराबाद में खेले अब तक तीनों टी-20 मुकाबले जीते हैं। यहां टीम का रिकार्ड अजेय है। इसी मैदान पर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ 297 रन बनाए थे। यह टी-20 इंटरनेशनल में भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। - पेज-7 भी देखें

नीट पेपर लीक: 14वें आरोपी के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई ने आरोपी शेषराव बजरंग सूर्यवंशी को खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। यह आरोपपत्र दिल्ली की राजज एवेन्यू अदालत में पेश किया गया। इस कार्रवाई के साथ सूर्यवंशी इस मामले में आरोपपत्र का सामना करने वाले 14वें आरोपी बन गए हैं। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है और संबंधित आरोपियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। हालांकि, आरोपपत्र दाखिल होना अपने आप में दोष सिद्ध होने का प्रमाण नहीं है।

आज का कार्टून

15 ठिकानों पर लोकायुक्त की रेड

इंदौर में हेड कॉन्स्टेबल के पास मिली 6.26 करोड़ की प्रॉपर्टी

इंदौर/देवास। लोकायुक्त पुलिस ने आज सुबह इंदौर के पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल (ड्राइवर) फिरोज खान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई की। लोकायुक्त इंदौर और उज्जैन की संयुक्त टीम ने सुबह 6 बजे से देवास स्थित उसके निवास सहित इंदौर और देवास के 15 ठिकानों पर सर्चिंग शुरू की। शुरुआती जांच में आरोपी के पास करीब 6.26 करोड़ रुपए की अनुपातहीन संपत्ति मिलने की बात सामने आई है। लोकायुक्त के अनुसार यह संपत्ति उसकी आंकी गई आय से करीब 223 फीसदी ज्यादा है।

दिल्ली के मौजपुर का मामला

रेस्टोरेंट में आग: बच्चों की जान बचाने पहली मंजिल से नीचे फेंका

नई दिल्ली। दिल्ली के मौजपुर इलाके में देर रात उधम रेस्टोरेंट के किचन में आग लग गई। आग लगते ही कुछ लोग जान बचाने के लिए पहली मंजिल की खिड़की से कूदने लगे। घटना के वीडियो के सामने आए हैं। इनमें लोग अपने बच्चों को भी पहली मंजिल से नीचे फेंकते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस के मुताबिक हादसे में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ है। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। हालांकि, रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने पहले ही आग बुझा दी थी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

जंतर-मंतर पर लहराया था तिरंगा

सौरव दास और आशुतोष रांका को 5 दिन की जेल

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं, अजिंक्य शिंदे को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया। तीनों को मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। रात 3 बजे उनकी एहतियातन गिरफ्तारी दिखाई गई और आज सुबह स्पेशल कोर्ट में पेशी हुई। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराना कोई जुर्म नहीं है। युवाओं को जेल भेजना कायरता है।



कहीं गरबा से माता की आराधना तो कहीं बड़ी अम्मा’ से ‘दक्षिणेश्वरी’ तक की झलक

भोपाल। नवरात्रि में पूरा शहर मां दुर्गा की आराधना में लीन है। कोई गरबा के जरिए देवी के 9 रूपों की श्रद्धालु उपासना कर रहे हैं। मां दुर्गा के साथ मां काली की स्थापना का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है। राजधानी में मां काली की करीब 150 मूर्तियां विराजी हैं। लोग कहीं बड़ी अम्मा, कहीं महारानी के

दर्शन कर रहे हैं। नेहरू नगर करुणाधाम आश्रम में पंचमुखी महाकाली के रूप में मां बड़ी अम्मा की 21 फीट की प्रतिमा के दर्शन को लोग उमड़ रहे हैं। वहीं, अन्ना नगर में दक्षिणेश्वरी महाकाली का दरबार सजा है। यहां कोलकाता की दक्षिणेश्वरी महाकाली के रूप में मां दर्शन दे रही हैं।



न्यूज विंडो

भोपाल में ट्रेन के नीचे आने से मां और बेटी को आरक्षक ने बचाया



भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर चलती सुबह 7.30 बजे भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन से उतरने के दौरान मां-बेटी प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंस गईं। गनीमत रही कि ड्यूटी पर तैनात आरक्षक मधुसूदन की नजर उन पर पड़ी उसने बिना देर किए दोनों को बाहर निकालकर जान बचा ली। आरक्षक ने हालात की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कदम उठाया और दोनों को बचाया। वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। आरक्षक की तत्परता से टला हृदयसा चर्चा का विषय बना है। यात्रियों की जल्दबाजी किस तरह जोखिम पैदा करती है घटना उदाहरण है।

4 साल पहले पत्नी की गला घाँट की हत्या, जीवनभर पति जेल में रहेगा भोपाल। विशेष कोर्ट ने घरेलू बातों को लेकर हुए विवाद पर पत्नी की बर्नियान से गला घाँटकर हत्या करने वाले आरोपी पति राजकुमार यादव उर्फ राजा यादव 27 साल निवासी बरेला गांव लालघाटी को दोषी ठहराते उम्रकैद की सजा सुनाई। 10 हजार जुर्माना भी लगाया। घरेलू विवाद में पति राजकुमार ने 18 जुलाई 2022 को बरेला गांव लालघाटी भोपाल स्थित घर पर रात 2 बजे पत्नी रानो यादव की बर्नियान से गला घाँटकर हत्या कर दी थी।

नौकरी से निकाले गए कोरोना योद्धाओं ने जलाई आदेश की प्रतियां



भोपाल। कोरोना महामारी के दौरान फ्रंट लाइन में सेवा देने वाले निष्कासित कर्मचारियों ने नियुक्ति आदेशों की प्रतियां जला दी। संकट के दौरान सरकार ने इन्हें कोरोना योद्धा का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा, सरकार ने बजट का हवाला देकर हमें नौकरी से निकाल दिया था। पुनः बहाली को लेकर 5 अक्टूबर से नीलम पार्क में सैकड़ों कोरोना योद्धा अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं।

रंजिश में घर के बाहर खड़े युवक पर चाकू से किया जानलेवा हमला
भोपाल। श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र गंगा नगर में सोमवार रात रंजिश में हुए विवाद के बाद दो बदमाशों ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में मोहल्ले में रहने वाला एक अन्य युवक भी घायल हुआ है। वारदात के बाद आरोपी कुलदीप चंदेल अपने साथी के साथ मौके से भाग निकला। पुलिस ने दोनों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। राजेश प्राइवेट काम करता है। वह रात में घर के बाहर खड़ा था, तभी कुलदीप चंदेल अपने साथी के साथ आया और दोनों ने रंजिश को लेकर राजेश को गालियां दीं। विरोध पर राजेश को चाकू मारकर घायल कर दिया। दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

2019 में 100 मरीज थे, पर कोई गंभीर नहीं था, पिछले साल 7 मिले थे

7 साल में सबसे ज्यादा स्वाइन फ्लू के 76 मरीज, डेंगू के 112

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में स्वाइन फ्लू का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। बीते एक महीने में 54 नए मरीज मिलने के बाद शहर में संक्रमितों की संख्या 22 से बढ़कर 76 हो गई है? यानी हर दिन औसतन करीब दो नए मरीज सामने आए हैं? इस साल अकेले भोपाल में मिले मरीजों की संख्या पिछले साल पूरे मग्न में दर्ज मामलों से करीब 11 गुना ज्यादा हो चुकी है।

2019 के बाद यह सबसे ज्यादा संक्रमित मरीजों की संख्या है। अस्पतालों में सर्दी, खांसी, तेज बुखार और सांस लेने में परेशानी की शिकायत वाले मरीज पहुंच रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि शहर में डेंगू के मामले लगातार बढ़ते हुए 112 तक पहुंच गए हैं। इस बीच राहत यह है कि इस सीजन में शहर में स्वाइन फ्लू से अब तक एक भी मौत नहीं हुई है। हालांकि इंदौर में स्वाइन फ्लू के संक्रमण से दो लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने इस बीच दावा किया है कि शहर में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ने के बावजूद वायरस का असर फिलहाल कम है, क्योंकि वायरस स्ट्रेन हल्की श्रेणी का है। यही वजह है कि अब तक किसी भी मरीज को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी है। अधिकारियों का कहना है कि संक्रमित मरीज सामान्य उपचार से तीन से चार दिन में ठीक हो रहे हैं।



जेपी और हमीदिया में जांच सुविधा नहीं

मरीजों की संख्या बढ़ने के बावजूद शहर के सरकारी अस्पतालों में स्वाइन फ्लू की जांच की व्यवस्था नहीं है। कोरोना काल में वायरस की पहचान के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज की स्टेट वायरोलॉजी लैब में जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन लगाई गई थी। तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने इसका शुभारंभ किया था। तब एक साथ 96 सैपल की जीनोम सीक्वेंसिंग की क्षमता बताई गई थी, लेकिन अब तक इन मशीनों का उपयोग नहीं हो सका है।

2019 के बाद सबसे ज्यादा मरीज

पिछले कुछ वर्षों में स्वाइन फ्लू के मामले काफी कम हो गए थे। 2015 में शहर में 2,200 से अधिक संदिग्ध मरीजों के सैपल लिए थे, इनमें 588 से ज्यादा की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। 2019 में भी 100 से अधिक मामले दर्ज हुए थे। इसके बाद 2021 में केवल 22 और 2022 में 48 मरीज मिले। पिछले साल पूरे मग्न में स्वाइन फ्लू के 7 मरीज सामने आए थे। इस साल 76 मरीज मिलने से संक्रमण का आंकड़ा 2019 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है।

डेंगू के मरीजों की संख्या भी बढ़कर 112 पर पहुंची

स्वाइन फ्लू के साथ डेंगू भी राजधानी में चिंता बढ़ा रहा है। भोपाल में इस सीजन में डेंगू के मरीजों की संख्या 112 हो गई है। बारिश के बाद जमा पानी प उमस मछरों के प्रजनन के लिए अनुकूल स्थिति बना रहे हैं। ऐसे में विभाग के सामने डेंगू की रोकथाम और निगरानी की भी चुनौती है।

स्वाइन फ्लू में इन लक्षणों को न करें नजर उदांज

स्वाइन फ्लू संक्रमण के दौरान तेज बुखार, लगातार खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द, अत्यधिक थकान और सांस लेने में परेशानी स्वाइन फ्लू के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। सांस फूलना, सीने में दर्द या लगातार तेज बुखार होने पर तत्काल डॉक्टरों की सलाह लेना जरूरी है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से गंभीर बीमारी वाले मरीजों में विशेष सावधानी जरूरी है।

यह प्रोटोकॉल जरूरी

- शीघ्रभाड़ स्थानों पर मार्क पहनें
- खांसों या छींकते समय मुंह व नाक को रुमाल या कोहनी से ढकें।
- बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोएं या सैनिटाइजर का प्रयोग करें।
- सर्दी, खांसी या बुखार से पीड़ित व्यक्ति से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखें।

विजय मेवाड़ा मर्डर केस: पुलिस ने दर्ज किया केस

गवाह की मां को आरोपी ने धमकाया कोर्ट में गवाही दी तो गोली मार दूंगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अशोकागार्डन थाना क्षेत्र में 6 माह पहले हुए विजय मेवाड़ा हत्याकांड में गवाही देने से रोकने के लिए गवाह को धमकाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम के भाई शरीफ बच्चा और साथी मुशर्रफ ने विजय के कर्मचारी और हत्या का गवाह कृष्णा की मां को धमकाया कि यदि उसके बेटे ने में गवाही दी तो गोली मारकर हत्या कर देंगे। महिला की शिकायत पर अशोकागार्डन पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया है। दोनों फरार हैं। महिला ने शिकायत में बताया कि वह अशोकागार्डन क्षेत्र में लिट्टी-चोखा लेने गई थीं। इसी दौरान शरीफ बच्चा और मुशर्रफ वहां पहुंच और पिस्टल



ये है मामला

सुभाष कालोनी के विजय मेवाड़ा अशोकागार्डन और कोलार में चाय की होटल चलाते थे। 28 मार्च की रात कर्मचारियों को छोड़ने प्रगति नगर गए। यहां आसिफ साथी फरमान, कालू और इमरान ने कर्मचारियों को साथ चलने को कहा। मना करने पर बदसलूकी की। विजय ने विरोध किया तो आसिफ ने चाकू मारा, विजय की मौत हो गई।

दिखाकर गवाही देने पर जान से मारने की धमकी दी।

मोबाइल ऑनलाइन

बुक करने पर साध्वी से एक लाख रुपए की ठगी

भोपाल। साध्वी से मोबाइल के नाम पर एक लाख रुपए की साइबर ठगी हो गई। कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया है। तुलसी नगर टीटी नगर निवासी पल्लवी जैन (48) साध्वी हैं और देश के विभिन्न जैन मंदिरों में रहकर भक्ति करती हैं। इन दिनों वह कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित मारवाड़ी श्वेतांबर जैन मंदिर में रह रही हैं। उनके पास मोबाइल खरीदने के संबंध में एक मैसेज आया। उन्होंने मोबाइल बुक करने का प्रयास किया। इस दौरान उनसे 200 रुपए मांगे गए। उन्होंने फोन-पे से रुपए भेज दिए। इसके बाद संबंधित मोबाइल नंबर से फोन आया कि मोबाइल की डिलीवरी अटक गई है और जीएसटी देना होगा। जालसाज ने उनसे 5000 रुपए और ट्रॉसपर करा लिए। इस तरह कुल एक लाख रुपए ठग ले भागे।

मुख्य सचिव ने कलेक्टर को दिए निर्देश

रियाज मंजिल और नानी की हवेली समेत शत्रु संपत्तियों की होगी नीलामी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जिले में स्थित शत्रु संपत्तियों की पहचान, सत्यापन व मूल्यांकन की प्रक्रिया तेज की जाएगी। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को इसके आदेश दिए। कलेक्टर ने उन्हें शत्रु संपत्ति की प्राथमिक जानकारी दी। मुख्य सचिव ने प्रशासन को शत्रु संपत्तियों की सूची तैयार कर 31 अक्टूबर तक मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। ल्यांकन प्रचलित बाजार दर और पंजीयन कार्यालय की दरों का मिलान किया जाना है। इसके बाद

डिजिटल रिकॉर्ड और ई-मैपिंग पर भी जोर
मुख्य सचिव ने शत्रु संपत्तियों के डिजिटलीकरण, ई-मैपिंग और रिमोट सेंसिंग से संबंधित जानकारी तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति, विवादों और नीलामी की संभावनाओं का विवरण जुटाया जाएगा। राजस्व अभिलेखों में नियमानुसार संपत्ति को कस्टोडियन आफ एनीमी प्रॉपर्टी फार इंडिया के नाम से दर्ज करने की कार्रवाई भी की जानी है। जानकारी की माने तो अब शत्रु संपत्तियों के मामले में स्थिति साफ होने की उम्मीद जगी है।

अगली बैठक में रिकॉर्ड की समीक्षा कर नियमानुसार नीलामी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बताते हैं, रियाज मंजिल, दो बड़े होटल, नानी की हवेली, फ्लैग स्टाफ और बहल मंजिल सहित अन्य शत्रु संपत्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

नीट यूजी: आयुष में विद्यार्थियों की रुचि कम

सेकंड काउंसलिंग के बाद 70% सीटें खाली, तीसरा शेड्यूल जारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में आयुष विभाग की नीट यूजी काउंसलिंग के दूसरे चरण की समाप्ति के बाद भी करीब 70 प्रतिशत सीटें खाली रह गई हैं। इस बीच आयुष संचालनालय ने तीसरे चरण की काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया है। तीसरा चरण आज से शुरू हो रहा है। आयुष कॉलेजों के अनुसार, पहले दो चरणों में छात्रों की कम रुचि की मुख्य वजह कई कॉलेजों की मान्यता का निलंबित होना है। बता दें, हाल ही में 'नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन' के 12 आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता सस्पेंड की गई थी। इनमें से कुछ कॉलेजों ने हाईकोर्ट का रुख किया है। आयुष

तीसरे चरण का शेड्यूल
पंजीकरण: 14 से 16 अक्टूबर
दस्तावेज सत्यापन: 15 से 17 अक्टूबर
वॉइस फिलिंग: 28 से 30 अक्टूबर
सीट आवंटन: 3 नवंबर
अस्थायी प्रवेश: 4 नवंबर से 11 नवंबर तक

डॉक्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पांडे ने बताया कि दूसरे चरण की काउंसलिंग के बाद लगभग 70% सीटें खाली हैं। हालांकि अभी और चरण बाकी हैं, इसलिए उम्मीद है कि छात्र अगले चरणों में रुचि दिखाएंगे।

मेट्रो एंकर

गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया से नगर निगम वसूल रहा 7 करोड़ टैक्स, 5 साल से स्ट्रीट लाइट नहीं चालू कर पा रहा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के औद्योगिक केंद्र गोविंदपुरा से नगर निगम हर साल 7 करोड़ रुपए संपत्ति कर वसूल रहा है। इसके बाद भी बुनियादी सुविधाएं गायब हैं। सड़कों की स्ट्रीट लाइट तक दुरुस्त नहीं की जा रही हैं। उद्यमियों का कहना है कि पांच-छह साल से औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों पर लगी स्ट्रीट लाइट बंद है। शाम ढलते ही क्षेत्र में अंधेरा पसर जाता है। निगम की इस बेरुखी से तंग आकर आखिरकार उद्यमियों को खुद मोर्चा संभालना। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन को अपने फंड से 600 से अधिक स्ट्रीट लाइट खरीदकर फैक्ट्रियों के सामने लगवानी पड़ी।



एक साल में चोरी की 15 वारदात

सालभर में औद्योगिक इकाइयों के भीतर 12 से 15 चोरी की वारदातें हो चुकी हैं। फैक्ट्रियों में काम करने वाले श्रमिक को डर के साए में आवाजही करने पर मजबूर हैं। कबाड़ियों के अवैध कब्जे और आदर्श नगर, गौतम नगर समेत चार झुग्गी बस्तियों के फैलाव ने स्थिति और बिगाड़ रखी है।

टैक्स का 50 फीसद हिस्सा खर्च करने की मांग

2018 में एमएसएमई विभाग ने मेटेनेस की जिम्मेदारी एसोसिएशन को सौंपी थी। इसके बाद से संगठन अपने स्तर पर रख-रखाव कर रहा है। उद्यमियों की मांग है कि नगर निगम द्वारा वसूले जाने वाले 7 करोड़ रुपए के टैक्स का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र के विकास पर खर्च हो। रुप नगर से अयोध्या बायपास को जोड़ने वाले प्रस्तावित मार्ग का निर्माण तत्काल शुरू किया जाए। अत्यधिक व्यस्त सड़कों का चौड़ीकरण हो।

एक नजर में गोविंदपुरा

- 1968 में गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हुई।
 - 700 एकड़ में औद्योगिक विकास।
 - 1157 औद्योगिक इकाइयां क्षेत्र में कर रही काम।
 - 30 हजार से अधिक श्रमिक इन इकाइयों में काम कर रहे।
- बुनियादी सुविधा तो दें**
गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय गौर का कहना है कि क्षेत्र में 5-6 साल से स्ट्रीट लाइट बंद है। चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। कबाड़ियों ने जगह-जगह कब्जे कर रखा है। निगम बुनियादी सुविधा नहीं दे रहा।

बफर जोन में वन्यजीव पर्यटन का बढ़ रहा आकर्षण

वाइल्ड लाइफ के चाहने वाले बढ़े, 100 दिनों में आए 3,780 पर्यटक

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्यजीव पर्यटन को लेकर पर्यटकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। कोर जोन के साथ अब बफर जोन भी सैलानियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। मानसून के दौरान कोर जोन में सफारी बंद रहने के बीच शुरू हुई बफर जोन की पर्यटन गतिविधियों को पर्यटकों का अच्छा रिसर्प्स मिला है। पर्यटन सत्र 2026-27 के शुरुआती 100 दिनों में, एक जुलाई से आठ अक्टूबर तक, परासी और पचपेड़ी बफर जोन में कुल 3,780 पर्यटक जंगल सफारी के लिए पहुंचे। इन पर्यटकों ने 802 वाहनों के माध्यम से जंगल का भ्रमण किया। इनमें 3,758 भारतीय और 22 विदेशी पर्यटक शामिल रहे।



परासी बफर जोन पर्यटकों की पहली पसंद
पर्यटन के आंकड़ों के अनुसार, परासी बफर जोन में 550 वाहनों से 2,588 पर्यटक पहुंचे। वहीं, पचपेड़ी बफर जोन में 252 वाहनों के जरिए 1,192 सैलानियों ने जंगल सफारी का आनंद लिया। दोनों पर्यटन गेट्स पर पर्यटकों की अच्छी उपस्थिति दर्ज की गई।
माहवार आंकड़ों पर नजर डालें तो जुलाई में 243 वाहनों से 1,109, अगस्त में 265 वाहनों से 1,247 और सितंबर में 168 वाहनों से 780 पर्यटक पहुंचे। इसके अलावा, एक से आठ अक्टूबर के बीच 126 वाहनों से 644 पर्यटकों ने सफारी की। इस अवधि में अगस्त पर्यटकों की आमद के लिहाज से सबसे आगे रहा। बांधवगढ़ के बफर जोन में पर्यटकों को बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने का अवसर मिल रहा है। जंगल की हरियाली, प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता सैलानियों को आकर्षित कर रही है।

इंटरव्यू के अंक नहीं जुड़ेंगे, केवल मेरिट से होगा सिलेक्शन

प्रदेश में दिव्यांगों के लिए बीस हजार पदों पर होगी भर्ती, तीन महीने चलेगा विशेष अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो
मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे दिव्यांगजनों के लिए राहत भरी खबर है। प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित करीब 20 हजार खाली पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान शुरू किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने 9 अक्टूबर 2026 से इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वर्तमान भर्ती अभियान 31 दिसंबर 2026 तक चलेगा। इसके बाद हर साल 1 जनवरी से 31 मार्च के बीच विशेष भर्ती अभियान चलाया जाएगा। इस भर्ती की खास बात यह है कि चयन प्रक्रिया में साक्षात्कार के लिए अलग से अंक नहीं दिए जाएंगे। अभ्यर्थियों का चयन शैक्षणिक योग्यता, पात्रता और संबंधित पद के भर्ती नियमों के आधार पर तैयार की गई योग्यता सूची से होगा।
36 हजार पद आरक्षित, 20 हजार अब भी खाली- प्रदेश में दिव्यांगजनों के लिए सरकारी सेवाओं में कुल 36 हजार पद आरक्षित हैं। विभागीय सर्वेक्षण के अनुसार, इनमें से लगभग 16 हजार पदों पर दिव्यांगजन कार्यरत हैं, जबकि करीब 20 हजार पद लंबे समय से रिक्त हैं। इन पदों को भरने की मांग लगातार उठ रही थी। आयुक्त दिव्यांगजन डॉ. अजय खेमरिया के अनुसार, विशेष भर्ती अभियान शुरू होने से लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे पात्र अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा। इससे सरकारी सेवाओं में दिव्यांगजनों की भागीदारी बढ़ाने और आरक्षित पदों को भरने में मदद मिलने की उम्मीद है।



साक्षात्कार के अंक नहीं, योग्यता से होगा चयन
सामान्य प्रशासन विभाग के नए पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया है। भर्ती में साक्षात्कार के लिए अलग से अंक देने का प्रावधान नहीं होगा। अभ्यर्थियों की योग्यता का आकलन संबंधित पद के भर्ती नियमों, शैक्षणिक अंकों और निर्धारित पात्रता के आधार पर किया जाएगा। इसी के अनुसार योग्यता सूची तैयार होगी। इससे चयन प्रक्रिया में स्पष्टता आएगी और अभ्यर्थियों को निर्धारित नियमों के आधार पर अवसर मिलेगा। भर्ती से जुड़ी जानकारी अधिक से अधिक पात्र अभ्यर्थियों तक पहुंचाने के लिए विभागों को व्यापक प्रचार करना होगा। संबंधित विभाग कम से कम दो प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराएंगे। इसके साथ ही विभागीय वेबसाइट और सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के पोर्टल पर भी विज्ञापन उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
आवेदन मिलने के बाद दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच की जाएगी। इसके आधार पर पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की अलग-अलग सूची तैयार कर वेबसाइट पर जारी की जाएगी। अपात्र सूची में नाम आने वाले अभ्यर्थियों को अपनी बात रखने के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। इस अवधि में वे दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। योग्यता सूची के आधार पर विज्ञापित पदों की संख्या से अधिकतम दो गुना अभ्यर्थियों को मूल दस्तावेजों के सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा। यदि किसी अभ्यर्थी का चयन दो विभागों में हो जाता है और वह एक विभाग का विकल्प चुनता है, तो दूसरे विभाग में खाली हुआ पद प्रतीक्षा सूची के माध्यम से भरा जाएगा।

हर साल जनवरी से मार्च तक चलेगा अभियान
सरकार ने विशेष भर्ती अभियान को नियमित व्यवस्था का रूप देने का निर्णय लिया है। आगामी वर्षों में हर साल 1 जनवरी से 31 मार्च के बीच यह अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही 29 अप्रैल 2025 को जारी पुराना आदेश निरस्त कर नई ऑनलाइन अभिलेख व्यवस्था लागू की गई है। इच्छुक अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अद्यतन दिव्यांगता प्रमाण-पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज तैयार रखें। आवेदन करने से पहले संबंधित विभाग के विज्ञापन में दी गई योग्यता, आरक्षण और चयन संबंधी शर्तों की जांच करना भी जरूरी होगा।

बिहार रहा पहले स्थान पर

पोषण जागरूकता में हम देश में तीसरे स्थान पर, मंदसौर और नीमच ने बनाया रिकार्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो
पोषण जागरूकता और जनभागीदारी के प्रयासों में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। राष्ट्रीय पोषण माह-2026 में प्रदेश देशभर में तीसरे स्थान पर रहा है। वहीं, मध्यप्रदेश के मंदसौर और नीमच जिलों ने देश के सभी जिलों में क्रमशः पहला और दूसरा स्थान हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। बीते 12 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे तक प्रदेश में पोषण जागरूकता से जुड़ी 1 करोड़ 9 लाख 66 हजार 805 गतिविधियां दर्ज की गईं। प्रदेश के सभी 55 जिलों की सहभागिता इस अभियान की व्यापक पहुंच और पोषण को जनआंदोलन बनाने के प्रयासों को दर्शाती है।
देशभर में मध्यप्रदेश की प्रभावी भागीदारी- राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत देशभर में अब तक 11 करोड़ 91 लाख 64 हजार 823 गतिविधियों की प्रविष्टियां दर्ज की गईं। इनमें बिहार 1 करोड़ 49 लाख 93 हजार 265 गतिविधियों के साथ पहले, महाराष्ट्र 1 करोड़ 38 लाख 66 हजार 923 के साथ दूसरे और मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश,



मंदसौर-नीमच ने बढ़ाया प्रदेश का मान
महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया के प्रभार वाले मंदसौर जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला और नीमच ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। दोनों जिलों की इस उपलब्धि से प्रदेश में पोषण जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों को नई पहचान मिली है। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और परिवारों तक पोषण संबंधी संदेश पहुंचाने तथा समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग में पदोन्नति की सुगबुगाहट

32 हजार शिक्षकों के प्रमोशन का रास्ता साफ! दिसंबर में TET परीक्षा के बाद मिलेगी पदोन्नति

भोपाल, दोपहर मेट्रो
मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में लंबे समय से पदोन्नति न होने से शिक्षकों में पनप रहे असंतोष के बीच लोक शिक्षण संचालनालय ने पदोन्नति की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। संचालनालय ने उच्च माध्यमिक शिक्षकों की गोपनीय चरित्रावली , सेवा रिकॉर्ड और विभागीय जांच से संबंधित समस्त जानकारी अधिकारियों से मांगी है। सभी संबंधित अधिकारियों को 25 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट संचालनालय भेजने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक पदोन्नति की यह प्रक्रिया शिक्षक पात्रता



परीक्षा से जुड़ी हुई है, जो दिसंबर में संभावित है। इसके बाद ही पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शिक्षकों की प्रमोट करने की कार्यवाही शुरू हो सकेगी। संचालनालय द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि प्रमोशन सूची जारी करने से पहले शिक्षकों के दस्तावेजों का पूरी तरह से सत्यापन किया जाएगा। 1 अप्रैल 2025 की

वीआरएस और संशोधित वरिष्ठता वाले मामलों की भी होगी जांच
पदोन्नति सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए विभाग ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिन शिक्षकों ने स्वीछिन्न सेवानिवृत्ति ले ली है, जिनकी सेवाएं समाप्त हो चुकी हैं या जिनके वरिष्ठता क्रमांक में संशोधन किया जाना है, उनके मामलों की अलग से जांच होगी। इसके साथ ही, अधिकारियों को यह लिखकर प्रमाणित करना होगा कि शिक्षक संवर्गीय पुनर्गठन और वरिष्ठता तिथि में लिपिकीय या तकनीकी स्तर पर कोई त्रुटि नहीं है।

मेट्रो एंकर

उच्च शिक्षा मंत्री के सख्त निर्देश, खाली पदों पर जल्द भर्ती की जाए

विश्वविद्यालयों की मनमानी पर लगाम, 46 कसौटियों पर होगी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो
मध्यप्रदेश के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में अब शैक्षणिक गुणवत्ता से लेकर वित्तीय प्रबंधन और विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं तक, हर क्षेत्र के कामकाज का आकलन तय मानकों पर किया जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार की उपस्थिति में मंगलवार को मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग और प्रदेश के 17 सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के बीच कार्य निष्पादन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत विश्वविद्यालयों की प्रगति का आकलन सात प्रमुख क्षेत्रों में निर्धारित 46 प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर होगा। सरकार का उद्देश्य उच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ विश्वविद्यालयों को बेहतर प्रदर्शन के



लिए प्रोत्साहित करना है। मंत्री परमार ने विश्वविद्यालयों में रिक्त शैक्षणिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत आवंटित राशि का निर्धारित समय-सीमा में उपयोग सुनिश्चित करने और डिजिटल मूल्यांकन की

कार्ययोजना को प्राथमिकता से लागू करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन होने से शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

समझौते के तहत विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन सात क्षेत्रों में किया जाएगा। इनमें शैक्षणिक उत्कृष्टता और क्रियान्वयन, सुरासन एवं डिजिटल बदलाव, शोध और नवाचार, संस्थागत गुणवत्ता, वित्तीय प्रबंधन, रोजगार के अवसर तथा विद्यार्थी कल्याण और

सतत विकास शामिल हैं। शैक्षणिक क्षेत्र में समय पर परीक्षाएं कराने, परिणाम घोषित करने, पाठ्यक्रम निर्धारित अवधि में पूरा करने और विद्यार्थियों को उद्योगिता में सुधार को महत्व दिया जाएगा। प्रशासनिक व्यवस्था में ऑनलाइन विद्यार्थी सेवाओं, ई-कार्यालय, समर्थ व्यवस्था

मजबूत होगा इंफ्रास्ट्रक्चर

एमपी में अब प्रॉपर्टी टैक्स के साथ देना होगा 2% फायर सेस छूट प्राप्त संपत्तियों को राहत

छतरपुर, दोपहर मेट्रो
प्रदेश में अग्नि सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अब नया फायर टैक्स लगाया जाएगा। यह टैक्स (उपकर) सेस के रूप में उन सभी जमीनों और इमारतों पर लगेगा जो संपत्ति कर के दायरे में आती हैं। इसकी दर संपत्ति कर की न्यूनतम दो प्रतिशत या राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होगी। जिन आवासीय संपत्तियों को प्रॉपर्टी टैक्स से छूट मिली हुई है, उन्हें फायर उपकर भी नहीं देना होगा। फायर उपकर का प्रविधान आधुनिक अग्निशमन उपकरणों की खरीद और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए किया गया है।
अग्निशमन नियम 2026 और स्वयंसेवकों की भर्ती- राज्य सरकार ने प्रदेश में आगजनी की घटनाओं पर लगाम कसने और जनहानि को रोकने के लिए पिछले महीने ही नए नियम लागू किए हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी %मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं सामान्य नियम, 2026% के तहत नगरीय निकायों को यह अधिकार दिया गया है कि वे आम जनता में से भी वालंटियर (स्वयंसेवकों) की भर्ती कर



आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड को मिलेंगे असीमित अधिकार
संकट के समय त्वरित कार्रवाई के लिए फायर ब्रिगेड के पास अब असीमित अधिकार होंगे। आग बुझाने या रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान संक्षम अधिकारी किसी भी निजी संस्था, सरकारी उपक्रम या विभाग के उपकरणों और कर्मचारियों को तत्काल काम पर ले सकेंगे। इससे मना करना कानूनन अपराध माना जाएगा। नवरात्र, गणेशोत्सव या शादियों में बनने वाले अस्थायी पड़ालों के लिए आयोजकों को कार्यक्रम शुरू होने से 48 घंटे पहले सुरक्षा नियमों के पालन का स्व-घोषणा पत्र देना होगा।

एमपी बोर्ड-10वीं और 12वीं के मॉडल प्रश्न पत्र जारी

परीक्षार्थियों को तैयारी का आकलन करने में मिलेगी मदद

भोपाल, दोपहर मेट्रो
मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शैक्षणिक सत्र 2026 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए विषयवार मॉडल प्रश्न पत्र जारी कर दिए हैं। मंडल ने इन मॉडल प्रश्न पत्रों को अपने आधिकारिक पोर्टल पर उपलब्ध करा दिया है। इनकी मदद से विद्यार्थी परीक्षा के प्रश्नपत्र का प्रारूप समझने के साथ-साथ अपनी तैयारी का सटीक आकलन भी कर सकेंगे।
बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के दौरान विद्यार्थियों के सामने अक्सर यह प्रश्न रहता है कि प्रश्नपत्र में किस प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे और उन्हें हल करने में कितना समय लगेगा। मॉडल प्रश्न पत्रों के अभ्यास से इस भ्रम को दूर करने में मदद मिल सकती है। विद्यार्थी इनके जरिये वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के स्वरूप को समझ सकते हैं। इसके साथ ही निर्धारित अंक

कमजोर विषयों की पहचान और डाउनलोड प्रक्रिया
मॉडल पेपर केवल प्रश्नपत्र का ढांचा समझने का जरिया नहीं है, बल्कि इनके माध्यम से छात्र अपनी पढ़ाई की कमियों को भी पहचान सकते हैं। नियमित अभ्यास के बाद छात्र यह आकलन कर सकेंगे कि किन विषयों या अध्यायों पर उन्हें अधिक समय देने की जरूरत है। इन मॉडल प्रश्न पत्रों को डाउनलोड करने के लिए विद्यार्थियों को आधिकारिक वेबसाइट mpbse.nic.in पर जाना होगा।

योजना के अनुसार उत्तर लिखने का अभ्यास भी किया जा सकता है। समय सीमा के भीतर मॉडल प्रश्न पत्र हल करने से विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन का अच्छा अभ्यास होगा, जिससे प्रश्नों के चयन और उत्तरों की प्राथमिकता तय करने में आसानी होगी।

शोध, रोजगार और वित्तीय पारदर्शिता पर नजर

विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशनों, बाहरी शोध अनुदान, शोध परियोजनाओं, पेटेंट और प्राध्यापकों के प्रशिक्षण को भी आकलन में शामिल किया जाएगा। संस्थागत गुणवत्ता के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से मान्यता और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग में सहभागिता पर ध्यान दिया जाएगा। वित्तीय प्रबंधन के तहत सरकारी अनुदान के नियमानुसार उपयोग, उपयोगिता प्रमाण-पत्रों की समय

पर प्रस्तुति और लेखा परीक्षण संबंधी नियमों के पालन की जांच होगी। विद्यार्थियों के रोजगार के लिए नियुक्ति, प्रशिक्षण, प्रशिक्षता, कोशल प्रमाणन, उद्योगों से सहयोग और नवाचार आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के प्रयास भी परखे जाएंगे। छात्रवृत्ति, छात्राओं और वंचित वर्गों की पढ़ाई जारी रखने, शिकायत निवारण, समावेशी परिसर और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों का भी आकलन होगा।

युद्ध जब रणभूमि की सीमाएं लांघकर नागरिक ठिकानों तक पहुंचने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि संकट केवल सुरक्षा का नहीं, विवेक का भी है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमले पश्चिम एशिया में फैलते संघर्ष की खतरनाक तस्वीर पेश करते हैं। दस अक्टूबर के हमले में एक भारतीय समेत करीब 13 लोगों की मौत और अगले ही दिन दूसरे टर्मिनल को निशाना बनाए जाने की खबरें बताती हैं कि हिंसा का दायरा बढ़ रहा है। नागरिकों की जान को युद्ध की रणनीति का

हिस्सा बनाना किसी भी परिस्थिति

में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच शत्रुता की जड़ें यमन के लंबे संघर्ष में हैं। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता रहा है और हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में शामिल रहा है। लेकिन पुरानी दुश्मनी किसी नए हमले का औचित्य नहीं बन सकती। हवाई अड्डे जैसे नागरिक प्रतिष्ठानों पर हमले जनहानि का खतरा बढ़ाने के साथ अंतरराष्ट्रीय यातायात, व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता को भी संकट में डालते हैं। सबसे बड़ी

युद्ध की कीमत

विडंबना यह है कि युद्ध शुरू करना आसान, लेकिन उसे समाप्त करना बेहद कठिन होता है। वर्षों के संघर्ष ने हूती विद्रोहियों को सैन्य अनुभव दिया है। ऐसे में केवल हथियारों और हवाई हमलों से उन्हें निर्णायक रूप से परास्त करने की उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं लगता। सैन्य कार्रवाई विरोधी पक्ष पर दबाव बना सकती है, लेकिन राजनीतिक सहमति पैदा नहीं कर सकती। गोलियों से दबाया गया विवाद अवसर मिलते ही फिर सिर उठा सकता है। अमेरिका की सभावि्त भूमिका भी इसी कसौटी पर परखी जानी

पटाखों पर प्रतिबंध की नहीं, प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण की जरूरत



सौरभ वार्ष्णेय
स्तंभकार

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बच्चों बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट बनकर सामने आने लगे, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि पटाखों से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। इस सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र अपराजिता सिंह की टिप्पणी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि यदि भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जायेंगे। इस कथन का मूल संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि ऐसा कोई व्यवहार जो दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए परेशानी पैदा करे। धर्म और परंपरा के नाम पर किए जाने वाले किसी भी कार्य पर विचार करते समय उसके सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसम संबंधी परिस्थितियां प्रदूषण को प्रभावित करती हैं। दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण इस समस्या को और बढ़ा सकते हैं। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, दमा और अन्य सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है।

प्रदूषण का संकट किसी एक परिवार या वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पटाखे जलाने वाला व्यक्ति कुछ मिनटों के उसाह के बाद सामान्य जीवन में लौट सकता है, लेकिन उससे निकलने वाले धुएं का असर आसपास रहने वाले लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्तिगत खुशी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन स्थापित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन जाता है।

यह भी समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल पटाखों को जिम्मेदार ठहराकर बाकी स्रोतों की अनदेखी करना समाधान नहीं है। यदि सरकार वास्तव में दिल्ली-एनसीआर की हवा को स्वच्छ बनाना चाहती है, तो उसे सालभर प्रदूषण फैलाने वाले सभी प्रमुख स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। पटाखों पर नियमों के साथ-साथ वाहनों, निर्माण स्थलों, औद्योगिक इकाइयों और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियों पर भी नियंत्रण आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के

पिछले वर्ष दीपावली से पहले दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्वआई का स्तर 200 के पार पहुंचने की खबरों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में निर्धारित शर्तों के तहत ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपराओं और पर्यावरण तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास था। हालांकि, ग्रीन पटाखों को प्रदूषण से

पूरी तरह मुक्त मान लेना भी उचित नहीं होगा। उनका वास्तविक प्रभाव उत्पाद की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों और इस्तेमाल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसलिए केवल किसी उत्पाद को ग्रीन पटाखा कह देना पर्याप्त नहीं है। उसकी प्रामाणिकता की जांच, बिक्री पर निगरानी और निर्धारित समय तथा स्थान संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों और स्थानीय निकायों के बीच समन्वय होना चाहिए। बाजारों में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री रोकने के साथ-साथ लोगों को नियमों की जानकारी भी दी जानी चाहिए। स्कूलों, आवासीय समितियों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो, लेकिन आम नागरिकों को केवल दंड के भय से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी की समझ से भी प्रेरित किया जाए।

दीपावली की असली चमक पटाखों के शोर में नहीं, बल्कि घरों में जलते दीपों, समाज में फैली खुशियों और जरूरतमंदों के जीवन में आने वाली रोशनी में है। यदि हम अपने उत्सवों को अधिक सुरक्षित, संवेदनशील और पर्यावरण के अनुकूल बना सकें, तो इससे परंपराओं का महत्व कम नहीं होगा, बल्कि उनका मानवीय पक्ष और मजबूत होगा। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई ने इसी व्यापक प्रश्न पर विचार करने का अवसर दिया है। अब आवश्यकता है कि अदालत के निर्देशों, प्रशासनिक कार्रवाई और नागरिकों की जागरूकता के बीच तालमेल स्थापित हो। धार्मिक आस्था का सम्मान और जनस्वास्थ्य की रक्षा एक-दूसरे के विरोधी नहीं होने चाहिए। वास्तविक संतुलन वही होगा जिसमें त्योहारों की खुशियां भी बनी रहें और किसी बच्चे, बुजुर्ग या बीमार व्यक्ति को उन खुशियों की कीमत अपनी सेहत से न चुकानी पड़े।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

किडनी में पथरी होने पर सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या यह बिना ऑपरेशन के शरीर से बाहर निकल सकती है? इसका जवाब पथरी के आकार के साथ-साथ उसकी जगह, पेशाब के रास्ते में रुकावट और मरीज की स्थिति पर निर्भर करता है। छोटी पथरी के अपने आप निकलने की संभावना अधिक होती है, जबकि बड़ी पथरी में विशेष उपचार की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि, हर मरीज के लिए इलाज का निर्णय जांच रिपोर्ट और लक्षणों के आधार पर ही किया जाता है।



किडनी से पेशाब की थैली तक पेशाब पहुंचाने वाली नली संकरी होती है। इसे मूत्रवाहिनी कहते हैं। इसी रास्ते से पथरी बाहर निकलती है। आकार में छोटी पथरी इस रास्ते से आसानी से निकल सकती है, जबकि बड़ी पथरी बीच में फंसकर पेशाब का प्रवाह रोक सकती है। आमतौर पर पांच मिलीमीटर या इससे छोटी पथरी के अपने आप निकलने की संभावना अच्छी होती है। खासकर मूत्रवाहिनी के निचले हिस्से में मौजूद छोटी पथरी के निकलने की संभावना अधिक रहती है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक दर्द

निशाना

आईना जब दिखा गई मिट्टी



धर्मराज देशराज

जाने किस -किसको खा गई मिट्टी जीस्त क्या है बता गई मिट्टी। जो जहां को बता चुके अपना उनको अपना बना गई मिट्टी। जिनका दुनियां में नाम चलता था उनको अपना बना गई मिट्टी। चार कांधे पे जब गया कोई नींद में था जगा गई मिट्टी। पास सब कुछ था अब नहीं कुछ भी आईना जब दिखा गई मिट्टी। आम इन्सान की विज्ञात कर्हें आसमानों को खा गई मिट्टी। दोस्त -दुश्मन सभी को गम उसका जिसको दूल्हा बना गई मिट्टी।

नॉलेज स्टोरी

35 हजार फीट की ऊंचाई पर आग पकड़ सकता है खराब क्वालिटी का पावर बैंक !

हवाई यात्रा के दौरान मोबाइल की बैटरी खत्म होने का डर हो तो पावर बैंक बड़ी सुविधा देता है। लेकिन यही छोटा उपकरण विमान में आग लगने का कारण भी बन सकता है। हाल ही में दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की उड़ान में पावर बैंक से आग

लगने की घटना ने इस खतरे की ओर ध्यान खींचा। विमान को हैदराबाद में अनागत स्थिति में उतारना पड़ा।

बैटरी के भीतर कैसे शुरू होती है आग? पावर बैंक में आमतौर पर लिथियम-आयन या लिथियम-पॉलिमर बैटरी होती है। ये बैटरियां कम जगह में काफी ऊर्जा जमा कर सकती हैं। सामान्य परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल सुरक्षित है, लेकिन बैटरी के भीतर खराबी होने पर स्थिति तेजी से बदल सकती है।

बैटरी में आंतरिक शॉर्ट सर्किट, निर्माण संबंधी दोष या शारीरिक क्षति के कारण तापमान तेजी से बढ़ सकता है। इस प्रक्रिया को तापीय अनियंत्रण कहा जाता है। इसमें बैटरी खुद अधिक गर्म होने लगती है और तापमान पर नियंत्रण मुश्किल हो जाता है। इसके बाद धुआं, जहरीली गैसों और आग निकल सकती है। कुछ मामलों में बैटरी फट भी सकती है। विमान

में आग की घटना इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि बंद केबिन में धुआं तेजी से फैल सकता है और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना आसान नहीं होता। घटिया गुणवत्ता वाले या नकली पावर बैंक में सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो सकती है।

हालांकि, महंगे या प्रतिष्ठित ब्रांड का उपकरण भी पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं होता। पावर बैंक गिरने, दबने, पुराना होने, बैटरी फूलने या धातु की वस्तुओं से संपर्क में आने के

कारण भी खतरनाक हो सकता है। पावर बैंक को चेक-इन सामान में रखने के बजाय हाथ में ले जाने वाले सामान में रखना चाहिए। विमान में उसे कहां रखा जा सकता है, यह संबंधित विमानन कंपनी के नियमों पर निर्भर करता है। कुछ कंपनियां उसे ऊपर रखे सामान के खांचे में रखने से रोकती हैं। इसलिए यात्रा से पहले नियम जरूर जांचें पावर बैंक की क्षमता सामान्यतः वॉट-आवर में मापी जाती है। अंतरराष्ट्रीय विमानन नियमों में 100 वॉट-आवर तक की बैटरी को आमतौर पर अनुमति होती है, जबकि इससे अधिक क्षमता वाले उपकरणों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लागू हो सकते हैं।

लद्दाख की जांस्कर घाटी में एक ऐसा बौद्ध मठ है, जिसे देखकर लगता है मानो पहाड़ के भीतर किसी दूसरी दुनिया ने अपना घर बसा लिया हो। चारों तरफ ऊंची चट्टानें, नीचे बहती नदी और पहाड़ की प्राकृतिक गुफा के बीच बनी सफेद-लाल इमारतें इस जगह को बेहद खास बनाती हैं। इस मठ का नाम है फुगताल मठ, जो अपनी अनोखी बनावट, शांति और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण पर्यटकों और रोमांच पसंद करने वालों को आकर्षित करता है।

फुगताल मठ की सबसे बड़ी खासियत इसका पहाड़ की इमारतें दूर से देखने पर किसी प्राचीन पहाड़ी बस्ती जैसी दिखाई देती हैं। सफेद दीवारों और लाल रंग की छतों वाला यह परिसर आसपास के भूरे पहाड़ों के बीच अलग ही पहचान बनाता है। बौद्ध परंपरा से जुड़ा यह मठ धार्मिक आस्था, अध्ययन और ध्यान का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। मठ का नाम भी इसकी भौगोलिक बनावट से जुड़ा है। यह जांस्कर के दुर्गम इलाकों में स्थित है, जहां पहुंचना किसी सामान्य पर्यटन स्थल पर जाने जितना आसान नहीं है। यहां की एकांत स्थिति ही इसे खास बनाती है।

मंजिल से ज्यादा खूबसूरत है रास्ता: फुगताल मठ की

चाहिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सहायता पर जल्द निर्णय लेने की बात कही है। लेकिन पिछले अमेरिकी अभियान में भारी खर्च के बाद जीत की घोषणा यह सवाल छोड़ जाती है कि सैन्य सफलता का वास्तविक अर्थ क्या है। यदि युद्ध के बाद भी अस्थिरता बनी रहे, तो विजय के दावों का महत्व सीमित रह जाता है। पश्चिम एशिया का संकट ईरान-अमेरिका तनाव सहित कई क्षेत्रीय टकरावों से जुड़ा है। ऐसे में नए सैन्य अभियान आग में घी डाल सकते हैं। आवश्यकता प्रतिशोध की नई शृंखला शुरू करने की नहीं, उसे रोकने की है।

आधुनिक युग की एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती बनता जा रहा है ई - कचरा



सुनील कुमार महला
स्तंभकार

आज विज्ञान और तकनीक का युग है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में मोबाइल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप, टेलीविजन, चार्जर, बैटरी, प्रिंटर और अन्य विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जब ये उपकरण पुराने हो जाते हैं या काम करना बंद कर देते हैं, तो इनसे ई-कचरा पैदा होता है। गौरतलब है कि खराब मोबाइल फोन के अलावा पुराने इयरफोन, यूएसबी केबल, रिमोट, खिलौने, छोटे पंखे और बिजली से चलने वाले अन्य उपकरण भी ई-कचरे में शामिल हैं। आज धरती पर ई-कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है और यह पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि यदि इन उपकरणों का समय पर सही तरीके से निपटान नहीं किया जाए, तो ये मिट्टी, पानी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। बहरहाल, पठकों को बताता चलूँ कि पुराने और बेकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के सुरक्षित निपटान, पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 14 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय ई-कचरा दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि पुराने मोबाइल, छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, केबल और बैटरी को सामान्य कूड़े में फेंकने के बजाय उचित संग्रह केंद्रों तक पहुँचाना चाहिए, ताकि उनका सुरक्षित पुनर्चक्रण किया जा सके। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी। इसकी शुरुआत अपशिष्ट विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फोरम ने की थी। वास्तव में, यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित प्रबंधन और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस संगठन की स्थापना वर्ष 2002 में बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में हुई थी।

हाल फिलहाल, इसमें कोई संदेह या दोराय नहीं है कि विज्ञान और तकनीक ने हमारे जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इनसे जुड़े उपकरणों का गलत तरीके से निपटान पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। इलेक्ट्रॉनिक कचरे में सीसा और पारा जैसे हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित कर सकते हैं। दूसरी ओर, इसी कचरे में सोना, तांबा और एल्यूमीनियम जैसी कीमती धातुएँ तथा कई उपयोगी पदार्थ भी पाए जाते हैं, लेकिन इन पदार्थों को पुनर्चक्रण के माध्यम से दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। इससे जहां एक ओर प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, वहीं पर नए कच्चे माल(रा-मैटिरियल) की आवश्यकता कम होती है। ई-कचरे को खुले में जलाने या अस्मुरक्षित तरीके से तोड़ने से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचता है। इसलिए देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अधिकृत संग्रह केंद्रों या पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं तक पहुँचाए और मनुष्यों, अन्य जीवों तथा प्रकृति के स्वास्थ्य की रक्षा में योगदान दे।

ई-कचरे की स्थिति:- विश्व और भारत: संयुक्त राष्ट्र की

कंप्यूटर, घरेलू उपकरणों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इसलिए ई-कचरे को केवल सफाई की समस्या मानना उचित नहीं है। यह पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की बचत, जनस्वास्थ्य और जिम्मेदारी के साथ उपभोग



करने से जुड़ा विषय है। वास्तव में, ई-कचरे को कम करने के लिए हमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए। मोबाइल फोन, लैपटॉप या अन्य उपकरणों में छोटी-मोटी खराबी आने पर उन्हें फेंकने के बजाय उनकी मरम्मत करानी चाहिए। केवल नया मॉडल आने या फैशन के कारण पुराने उपकरणों को बदलने से बचना चाहिए। पुराने मोबाइल, चार्जर, बैटरी, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को सामान्य कूड़े में डालने के बजाय अधिकृत ई-कचरा संग्रह केंद्रों या संबंधित निर्माता की वापसी योजना के माध्यम से पुनर्चक्रण के लिए देना चाहिए।यदि कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अभी भी इस्तेमाल करने योग्य है, तो उसे जरूरतमंद व्यक्ति को देकर या दान करके उसका उपयोगी जीवन बढ़ाया जा सकता है। नए इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी करते समय उसकी गुणवत्ता, टिकाऊपन और मरम्मत कराने की सुविधा का ध्यान रखना चाहिए। पुनर्चक्रण के लिए मोबाइल, कंप्यूटर या अन्य उपकरण देने से पहले उनमें मौजूद निजी जानकारी को सुरक्षित तरीके से मिटाना भी आवश्यक है।

अंत में यही कहा जा सकता है कि ई-कचरे की समस्या का समाधान केवल सरकार या पुनर्चक्रण केंद्रों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। हमें कम खरीदने, उपकरणों का लंबे समय तक उपयोग करने, खराब होने पर उनकी मरम्मत कराने और बेकार होने पर उचित पुनर्चक्रण अपनाने की आदत डालनी होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पांच एमएम तक की पथरी खुद निकल सकती है, बड़ी पथरी में इलाज जरूरी

के लिए दूरबीन से उपचार, ध्वनि तरंगों से पथरी तोड़ने या अन्य प्रक्रिया की जरूरत पड़ सकती है। उपचार का तरीका पथरी के आकार, स्थान और मरीज की स्थिति के अनुसार चुना जाता है। **क्या ज्यादा पानी पीने से निकल जाएगी पथरी?** पर्याप्त पानी पीना शरीर में पानी की कमी से बचाता है और पेशाब का सामान्य प्रवाह बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन यह मानना गलत है कि जरूरत से ज्यादा पानी पीने से हर पथरी जल्दी निकल जाएगी। यदि पथरी रास्ते में रुकावट पैदा कर रही है, तो जबरदस्ती बहुत अधिक पानी पीना समाधान नहीं है। पथरी की स्थिति के अनुसार चिकित्सक पानी की उचित मात्रा बता सकते हैं।

निशाना

आईना जब दिखा गई मिट्टी



धर्मराज देशराज

जाने किस -किसको खा गई मिट्टी जीस्त क्या है बता गई मिट्टी। जो जहां को बता चुके अपना उनको अपना बना गई मिट्टी। जिनका दुनियां में नाम चलता था उनको अपना बना गई मिट्टी। चार कांधे पे जब गया कोई नींद में था जगा गई मिट्टी। पास सब कुछ था अब नहीं कुछ भी आईना जब दिखा गई मिट्टी। आम इन्सान की विज्ञात कर्हें आसमानों को खा गई मिट्टी। दोस्त -दुश्मन सभी को गम उसका जिसको दूल्हा बना गई मिट्टी।

पहाड़ की गुफा में बसा एक रहस्यमयी मठ घंटों चलने के बाद दिखेगा अद्भुत नजारा

लद्दाख की जांस्कर घाटी में एक ऐसा बौद्ध मठ है, जिसे देखकर लगता है मानो पहाड़ के भीतर किसी दूसरी दुनिया ने अपना घर बसा लिया हो। चारों तरफ ऊंची चट्टानें, नीचे बहती नदी और पहाड़ की प्राकृतिक गुफा के बीच बनी सफेद-लाल इमारतें इस जगह को बेहद खास बनाती हैं। इस मठ का नाम है फुगताल मठ, जो अपनी अनोखी बनावट, शांति और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण पर्यटकों और रोमांच पसंद करने वालों को आकर्षित करता है।

फुगताल मठ की सबसे बड़ी खासियत इसका पहाड़ की इमारतें दूर से देखने पर किसी प्राचीन पहाड़ी बस्ती जैसी दिखाई देती हैं। सफेद दीवारों और लाल रंग की छतों वाला यह परिसर आसपास के भूरे पहाड़ों के बीच अलग ही पहचान बनाता है। बौद्ध परंपरा से जुड़ा यह मठ धार्मिक आस्था, अध्ययन और ध्यान का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। मठ का नाम भी इसकी भौगोलिक बनावट से जुड़ा है। यह जांस्कर के दुर्गम इलाकों में स्थित है, जहां पहुंचना किसी सामान्य पर्यटन स्थल पर जाने जितना आसान नहीं है। यहां की एकांत स्थिति ही इसे खास बनाती है।

मंजिल से ज्यादा खूबसूरत है रास्ता: फुगताल मठ की

यात्रा में रोमांच और प्राकृतिक सुंदरता दोनों का अनुभव मिलता है। यहां पहुंचने के लिए यात्रियों को सड़क से आगे पहाड़ी पगडंडियों पर पैदल चलना पड़ता है। रास्ते में लुंगनाक नदी, ऊंची चट्टानें, दूर तक फैली घाटी और बर्फ से ढकी

पर्वत चोटियां दिखाई देती हैं। कई जगह रास्ते संकरे और ऊबड़-खाबड़ हैं। इसलिए यहां की यात्रा के लिए अच्छी तैयारी और पर्याप्त समय जरूरी है। ट्रेकिंग के शौकीनों के लिए यह सफर खास अनुभव बन सकता है, लेकिन

सामान्य पर्यटकों को अपनी शारीरिक क्षमता और मौसम का ध्यान रखकर ही आगे बढ़ना चाहिए। फुगताल मठ केवल खूबसूरत तस्वीरें लेने की जगह नहीं है। यहां प्राथना कक्ष, बौद्ध धार्मिक परंपराओं और अध्ययन से जुड़ी गतिविधियां भी देखने को मिलती हैं। शहरों की भीड़ और शोर से दूर इसका शांत वातावरण यात्रियों को कुछ समय ठहरकर प्रकृति को महसूस करने का अवसर देता है। समुद्र तल से करीब 3,850 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस क्षेत्र में मौसम तेजी से बदल सकता है। ऊंचाई के कारण सांस लेने में परेशानी और थकान भी हो सकती है। इसलिए गर्म कपड़े, पर्याप्त पानी और जरूरी सामान साथ रखना चाहिए। यात्रा से पहले स्थानीय मौसम तथा रास्तों की स्थिति की जानकारी लेना भी जरूरी है।

धार में मां वाग्देवी को अर्पित की 1111 मीटर लंबी चुनरी यात्रा में दो हजार से अधिक महिलाएं हुई शामिल



धार। ऐतिहासिक भोजशाला में शारदीय नवरात्रि की तीसरी तिथि पर मां वाग्देवी के प्रति आस्था और श्रद्धा का अनूठा दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर राजा भोज उद्यान से 1111 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकाली गई, जिसमें दो हजार से अधिक महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। पूरे मार्ग में धार्मिक जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, फिर बीएचयू प्रोफेसर की 13 वर्षीय बेटी को ग्वालियर बुलाया, पुलिस ने किया बरामद

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्ति से दोस्ती नाबालिगों के लिए खतरे का कारण बन सकती है। ऐसा ही एक मामला ग्वालियर में सामने आया, जहां बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के एक प्रोफेसर की 13 वर्षीय बेटी को ग्वालियर पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया। किशोरी को सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आए युवक ने मिलने के बहाने ग्वालियर बुलाया था। पुलिस ने युवक को



पकड़कर किशोरी को सुरक्षित उसके चंगुल से मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार, वाराणसी के सेंट जॉन स्कूल में पढ़ने वाली किशोरी घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश की,

लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर वाराणसी में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि किशोरी ग्वालियर के पिंटो पार्क क्षेत्र में रहने वाले एक युवक के संपर्क में थी और दोनों के बीच सोशल मीडिया पर लगातार बातचीत हो रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्वालियर एसएसपी धर्मवीर सिंह ने सीएसपी नागेंद्र सिंह सिकरवार को किशोरी की तलाश की जिम्मेदारी सौंपी। पुलिस टीम ने तकनीकी

सहायता और त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़ लिया। उसकी निशानदेही पर किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। ग्वालियर पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद किशोरी को आगे की कार्रवाई के लिए वाराणसी पुलिस के सुपुर्द कर दिया। घटना एक बार फिर बच्चों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर सतर्क निगरानी और अनजान लोगों से ऑनलाइन दोस्ती करते समय सावधानी बताने की जरूरत को रेखांकित करती है।

101 ग्राम स्मैक बरामदगी मामले में गवाही और दस्तावेजों में मिली विसंगतियों पर अदालत सरख्त स्मैक तरकरी केस में पुलिस की कहानी पर कोर्ट को संदेह, दो आरोपी बरी, निरीक्षक की जांच के आदेश

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

स्मैक तरकरी के एक मामले में पुलिस की विवेचना और साक्ष्यों में गंभीर विसंगतियां सामने आने पर विशेष अदालत ने कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने 101 ग्राम स्मैक बरामदगी के मामले में दोनों आरोपितों श्याम किशोर शर्मा और राहुल नागर को बरी कर दिया। साथ ही विवेचक निरीक्षक जीएस धाकड़ के बयानों और रिकॉर्ड में अंतर पाए जाने पर उनकी विभागीय जांच के आदेश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), मध्यप्रदेश को दिए हैं।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि निरीक्षक धाकड़ के कथन रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते। न्यायालय ने यह भी कहा कि किन परिस्थितियों में गलत तथ्य प्रस्तुत किए गए और अभियोजन का पक्ष कमजोर कैसे हुआ, इसकी जांच आवश्यक है। फैसले की प्रति और संबंधित गवाही के दस्तावेज डीजीपी को भेजकर अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 15 मई 2023 को झांसी रोड थाना क्षेत्र



में सिंधिया कन्या विद्यालय के गेट नंबर-2 के पास श्याम किशोर शर्मा को रोककर तलाशी ली गई थी। उसके बैग से 101 ग्राम स्मैक मिलने का दावा किया गया। पूछताछ के आधार पर राहुल नागर को भी आरोपी बनाया गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान सैपलिंग की प्रक्रिया, मादक पदार्थ की स्थिति, तलाशी के कानूनी विकल्प और मालखाने के रिकॉर्ड में कई विसंगतियां सामने आईं। अदालत ने इन तथ्यों को अभियोजन के मामले पर संदेह पैदा करने वाला माना। राहुल नागर के खिलाफ स्वतंत्र संपर्क संबंधी साक्ष्य भी पेश नहीं किए जा सके। इन परिस्थितियों के आधार पर दोनों आरोपितों को संदेह का लाभ मिला और उन्हें बरी कर दिया गया।

सैपलिंग की प्रक्रिया पर उठे सवाल

मामले में मादक पदार्थ के नमूने लेने की प्रक्रिया को लेकर पुलिस की गवाही और दस्तावेजों में अंतर सामने आया। रिकॉर्ड के अनुसार, एनडीपीएस अधिनियम की धारा 52-ए के तहत सैपलिंग न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष हुई थी। हालांकि, अदालत में गवाही के दौरान निरीक्षक जीएस धाकड़ ने यह प्रक्रिया कलेक्ट्रेट में तहसीलदार के सामने होने की बात कही। अदालत ने इस विरोधाभास को गंभीरता से लिया। सैपलिंग की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इससे जन्त मादक पदार्थ के नमूने और उनकी पहचान की विश्वसनीयता जुड़ी रहती है। गवाही और रिकॉर्ड में अंतर होने से अभियोजन के साक्ष्यों पर सवाल खड़े हुए। इसी आधार पर अदालत ने निरीक्षक के कथनों की विभागीय जांच कराने के निर्देश दिए।

तलाशी के विकल्प और मालखाने के रिकॉर्ड में कमी

अदालत के सामने तलाशी की कानूनी प्रक्रिया और जब्त सामग्री के रखरखाव को लेकर भी सवाल उठे। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 50 के तहत तलाशी के दौरान आरोपी को निर्धारित कानूनी विकल्प देना आवश्यक होता है। मामले में पुलिस के नोटिस में 'वरिष्ठ पुलिस अधिकारी' के समक्ष तलाशी का विकल्प देने पर आपत्ति सामने आई। इसके अलावा, जब्त स्मैक को धारा 52-ए की कार्रवाई के लिए मालखाने से बाहर निकालने और वापस रखने की प्रविष्टियां रजिस्टर में दर्ज नहीं होने की बात भी सामने आई। दूसरे आरोपी राहुल नागर के खिलाफ पुलिस कोई कॉल डिटेल या बातचीत का स्वतंत्र संबंध साबित नहीं कर सकी। अदालत ने इन कमियों को अभियोजन के दावे पर संदेह पैदा करने वाला माना।

देवी पंडाल में गाने बजाने पर विवाद तलवार से हमला कर युवक की हत्या टीकमगढ़ के भगतनगर में देर रात वारदात से सनसनी

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

शहर के भगतनगर इलाके में मंगलवार देर रात देवी पंडाल में मोबाइल पर गाने बजाने को लेकर हुआ विवाद खुनी वारदात में बदल गया। मामूली कहासुनी के बाद एक युवक ने तलवार से हमला कर 22 वर्षीय राजेंद्र वंशकार की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मुख्य आरोपित कैलाश अहिरवार को रात में ही हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मृतक राजेंद्र वंशकार और आरोपित कैलाश अहिरवार के घर आसपास ही हैं। दोनों पक्षों के बीच पहले से भी विवाद होने की बात सामने आई है। मंगलवार रात देवी पंडाल में कैलाश अपने मोबाइल पर गाने बजाने की जिद कर रहा था। इसी दौरान हुए विवाद में कैलाश कथित तौर पर



गुस्से में अपने घर गया और तलवार निकालकर ले आया। इसके बाद उसने राजेंद्र पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में राजेंद्र के सिर, पीठ और हाथ पर गंभीर चोटें आईं। अत्यधिक खून बहने से उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉ. अश्वनी बामोरिया ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी चंद्रजीत सिंह यादव के अनुसार, मुख्य आरोपित कैलाश अहिरवार को रात में ही हिरासत में ले लिया गया है।

वायल गांव में पानी की मोटर चोरी की घटना का खुलासा, 3 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा बाकानेर पुलिस ने 55 हजार रुपए कीमत के दो मोटर पंप किए बरामद

मनावर। दोपहर मेट्रो

बाकानेर ग्राम वायल में पानी की मोटर चोरी के मामलों का बाकानेर पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए दो विद्युत पानी के मोटर पंप बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 55 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा के निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं एसडीओपी मनावर प्रदीप वाल्टर के



मार्गदर्शन में ग्राम वायल में हुई मोटर चोरी की घटनाओं की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई थी।

थाना प्रभारी मनावर राजेश यादव के नेतृत्व में चौकी प्रभारी बाकानेर मनोज पाटीदार एवं पुलिस टीम ने सदिश्यों की तलाश शुरू की।

इस दौरान ग्रामीणों की मदद से घेराबंदी कर तीन आरोपियों और एक विधि विरुद्ध बालक को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा ग्राम वायल से पानी की मोटर चोरी करने की वारदात स्वीकार की है, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूरज (20), कालू (22) और अर्जुन (20), निवासी ग्राम भाटी खोदरा, थाना अमझेरा, जिला धार के रूप में हुई है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका कार्रवाई में चौकी प्रभारी बाकानेर मनोज पाटीदार, एसआई महेश जाट, प्रधान आरक्षक बिशन एवं आरक्षक राकेश कन्नौज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ जारी है और अन्य चोरी की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

इंदौर : फॉर्चयूनर की टक्कर से ऑटो मैकेनिक की मौत, 2 नाबालिग घायल

इंदौर। दोपहर मेट्रो

शहर में तेज रफ्तार वाहनों के कारण सड़क हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। संयोगितागंज थाना क्षेत्र में फॉर्चयूनर एसयूवी की टक्कर से 19 वर्षीय ऑटो मैकेनिक आदिल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो नाबालिग दोस्त घायल हो गए। वहीं, तेजाजी नगर क्षेत्र में बाइक से गिरने के बाद 44 वर्षीय महिला ने भी दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, मथुरवाली गली निवासी आदिल अपने दोस्तों अल्लू (16) और अल्फ्रेज उर्फ रब्बा (17) के साथ सरवेट बस स्टैंड से चाय-नाश्ता कर बाइक से लौट रहा था। रात करीब 3 बजे शिवाजी वाटिका के पास तेज रफ्तार फॉर्चयूनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद एसयूवी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग में जा चुसी। हादसे में आदिल की मौत हो गई, जबकि दोनों दोस्त घायल हो



गए। आदिल परिवार का सहारा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाइक से गिरकर महिला की मौत

तेजाजी नगर क्षेत्र में सोमवार रात शांतिबाई (44) अपने बेटे विजय के साथ पीथमपुर से धार की ओर जा रही थीं। इसी दौरान वह बाइक से गिरकर घायल हो गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। बेटा मामूली घायल हुआ है। पुलिस के अनुसार, मामले में बेटे के बयान दर्ज होना बाकी हैं। दोनों हादसों की जांच जारी है।

मेट्रो एंकर अल्पवर्षा से तालाब सूखने की कगार पर, नई टंकियों और संपवेल से राहत की उम्मीद

इंदौर में पानी की किल्लत, निगम ने तैयार किए 900 टैंकर

इंदौर। दोपहर मेट्रो

अल्पवर्षा के चलते इंदौर में जलसंकट की आशंका बढ़ गई है। शहर के अधिकांश तालाब सूखने की कगार पर हैं, जिससे आसपास की कॉलोनियों के भूजल स्तर पर असर पड़ रहा है। शहर में करीब 1.30 लाख बोरिंग हैं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 200 एमएलडी पानी मिलता है। इनके सूखने पर बड़ी आबादी के सामने पेयजल संकट खड़ा हो सकता है।

वर्तमान में नर्मदा से 430 एमएलडी और यशवंत सागर से 30 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। निगम ने जल वितरण व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले साल 700 से अधिक टैंकरों की जरूरत पड़ी थी,



जबकि इस बार 900 टैंकरों की आवश्यकता का अनुमान है। निगम 100 नए टैंकर खरीदने की तैयारी में है।

गोंदवले धाम, आजाद नगर, युनिवर्सिटी परिसर और नवलखा में बन रही चार पानी की टंकियों का काम भी तेजी से पूरा कराया जाएगा। वहीं, फलबाग में 30 एमएलडी क्षमता का संपवेल तैयार किया जा रहा है।

30 प्रतिशत शहर बोरिंग के भरोसे

शहर के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से में नर्मदा की पाइपलाइन नहीं है। यहां की सैकड़ों कॉलोनियां बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। तालाबों के सूखने से भूजल स्तर गिरने और बोरिंग बंद होने का खतरा बढ़ गया है। नगर निगम का लक्ष्य नई टंकियों के जरिए जल वितरण को व्यवस्थित करना है। डायरेक्ट सप्लाई बंद कर टंकियों से पानी देने पर रोजाना बचने वाला पानी करीब तीन लाख लोगों की जरूरत पूरी कर सकता है। इससे गर्मियों में जल वितरण व्यवस्था पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है।

मुख्यमंत्री से विशेष पैकेज की मांग

जलसंकट की आशंका के बीच महापौर पुष्यमित्र भागव ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर शहर के लिए विशेष पैकेज की मांग की। महापौर ने यशवंत सागर और बिलावली तालाब में जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने तथा नर्मदा-गंधीर लिंक परियोजना से पानी उपलब्ध कराने पर चर्चा की। निगम फलबाग में लगभग 30 एमएलडी क्षमता का संपवेल भी तैयार कर रहा है। इसमें संग्रहित पानी आपात स्थिति में उपयोग किया जा सकेगा। प्रशासन की तैयारियों का उद्देश्य गर्मियों में पेयजल आपूर्ति बनाए रखना और प्रभावित कॉलोनियों को राहत पहुंचाना है।

इंदौर। दोपहर मेट्रो

देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। विंटर शेड्यूल लागू होने के साथ 25 अक्टूबर से इंदौर और अबू धाबी के बीच संचालित एकमात्र अंतरराष्ट्रीय उड़ान के समय में बढ़ा बदलाव होने जा रहा है। अब यह उड़ान रात के बजाय दिन में संचालित होगी। इससे यात्रियों को देर रात यात्रा करने और रातभर जागने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

नए शेड्यूल के अनुसार, एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान इंदौर से सुबह 8:40 बजे रवाना होकर संयुक्त अरब अमीरात के स्थानीय समयानुसार सुबह 10:35 बजे अबू



धाबी पहुंचेगी। वापसी में विमान अबू धाबी से सुबह 11:50 बजे उड़ान भरेगा और शाम 4:45 बजे इंदौर पहुंचेगा। इस तरह दोनों शहरों के बीच यात्रा दिन के समय पूरी हो सकेगी।

वर्तमान समय-सारणी के अनुसार, उड़ान इंदौर से रात 7:50 बजे रवाना होकर अबू धाबी रात 9:35 बजे पहुंचती है। वापसी में विमान अबू धाबी से रात 10:35

बजे रवाना होकर इंदौर तड़के 3:20 बजे पहुंचता है। इस कारण यात्रियों को देर रात और अलसुबह यात्रा करनी पड़ती है।

विंटर शेड्यूल में कई बदलाव

25 अक्टूबर से लागू होने वाले विंटर शेड्यूल में इंदौर से जोधपुर और अहमदाबाद के लिए नई उड़ानें शुरू होने की जानकारी है। इसके अलावा करीब एक दर्जन उड़ानों के समय में भी बदलाव किया जाएगा। उड़ान के समय में परिवर्तन से यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना नए शेड्यूल के अनुसार बनानी होगी। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए दिन में आने-जाने की सुविधा खास राहत लेकर आएगी।

रणजी ट्रॉफी को मजबूत करने की नसीहत देने वाला बीसीसीआई खुद सवालों के घेरे में इंडिया-ए के दौरों से घरेलू क्रिकेट प्रभावित!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए रणजी ट्रॉफी में रन बनाने और विकेट लेने की सलाह देता है। लेकिन जब घरेलू क्रिकेट का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट शुरू होता है, तो बोर्ड के अपने कार्यक्रम ही सवालों के घेरे में आ जाते हैं। रणजी ट्रॉफी के बीच इंडिया-ए के दौरे और प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी ने घरेलू क्रिकेट की प्राथमिकताओं पर बहस छेड़ दी है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और दिलीप वेंगसरकर भी इस व्यवस्था पर चिंता जता चुके हैं।

रणजी ट्रॉफी का नया सत्र 11 अक्टूबर से शुरू हुआ। इसी दिन इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच तीन मैचों की अनौपचारिक एकदिवसीय श्रृंखला का अंतिम मुकाबला खेला गया। इसके चलते रजत पाटीदार, देवदत्त पडिकल और ऋतुराज गायकवाड़ जैसे खिलाड़ी अपनी राज्य टीमों के लिए उपलब्ध नहीं थे। पाटीदार मध्य प्रदेश, पडिकल कर्नाटक और गायकवाड़ महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद इंडिया-ए की टीम 24 अक्टूबर से 7 नवंबर तक न्यूजीलैंड में तीन चार दिवसीय मुकाबले खेलेगी। यह कार्यक्रम भी रणजी ट्रॉफी के दौरान पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब घरेलू टूर्नामेंट का कार्यक्रम पहले से निर्धारित है, तो इंडिया-ए के दौरों की तारीखें इस तरह क्यों तय की जाती हैं कि दोनों प्रतियोगिताओं के बीच टकराव पैदा हो?



दिलीप वेंगसरकर ने उठाए कार्यक्रम पर सवाल

पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर का मानना है कि रणजी ट्रॉफी के दौरान इंडिया-ए के दौरे आयोजित करने से घरेलू प्रतियोगिता की अहमियत प्रभावित होती है। इंडिया-ए के दौरे खिलाड़ियों को विदेशी परिस्थितियों का अनुभव देने और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए जरूरी है, लेकिन इनके कार्यक्रम में घरेलू क्रिकेट का ध्यान रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से राज्य टीमों का संयोजन प्रभावित हो सकता है। इससे मुकाबलों की प्रतिस्पर्धा और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन भी मुश्किल हो सकता है। सुनील गावस्कर ने भी

घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के मूल्यांकन को लेकर सवाल उठाए हैं। रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने या विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफलता हासिल करना हमेशा आसान नहीं होता। कुछ खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह बनाने के बाद संघर्ष करते हैं, जबकि कुछ को दोबारा अवसर मिलने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। हालांकि, घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय सफलता की गारंटी नहीं है, लेकिन खिलाड़ियों को मिले अवसर, विरोधी टीम की गुणवत्ता और मैच की परिस्थितियां भी उनके मूल्यांकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

रणजी ट्रॉफी भारतीय टेस्ट क्रिकेट की बुनियाद

रणजी ट्रॉफी खिलाड़ियों को लंबे प्रारूप में धैर्य, तकनीक और दबाव से निपटने की क्षमता विकसित करने का अवसर देती है। यही गुण टेस्ट क्रिकेट में सफलता के लिए बेहद जरूरी हैं। इसलिए टूर्नामेंट के दौरान प्रमुख खिलाड़ियों की उपलब्धता और मुकाबलों की गुणवत्ता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई के सामने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट, खिलाड़ियों की तैयारी और घरेलू प्रतियोगिताओं के बीच तालमेल बैठाने की चुनौती है। हालांकि, बेहतर योजना बनाकर कार्यक्रमों के टकराव को कम किया जा सकता है। गावस्कर और वेंगसरकर की चिंताएं भारतीय क्रिकेट के सामने एक अहम सवाल खड़ा करती हैं। यदि रणजी ट्रॉफी को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का प्रमुख मंच माना जाता है, तो इसके कार्यक्रम और खिलाड़ियों की उपलब्धता को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बीसीसीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि घरेलू क्रिकेट केवल सलाह देने तक सीमित न रहे, बल्कि उसके फैसलों में भी रणजी ट्रॉफी का महत्व दिखाई दे। आखिर खिलाड़ियों से घरेलू मैदान पर खुद को साबित करने की अपेक्षा की जाती है, तो बोर्ड की जिम्मेदारी भी है कि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मजबूत और प्रतिस्पर्धी मंच उपलब्ध कराए।

मोईन अली के दावे से क्रिकेट जगत में खलबली भारत-पाकिस्तान फाइनल के लिए रची गई थी साजिश?

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2017 की चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने ऐसा दावा किया है, जिसने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। मोईन का मानना है कि उस समय आयोजक भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला कराना चाहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से इंग्लैंड को सेमीफाइनल में इस्तेमाल की जा चुकी पुरानी पिच पर खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि भारत और बांग्लादेश के बीच सेमीफाइनल के लिए नई पिच का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, यह मोईन अली की व्यक्तिगत धारणा है और उनके दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मोईन अली ने यूट्यूब कार्यक्रम बियर्ड बिबरन विकेट में साथी खिलाड़ी आदिल राशिद और पाकिस्तान के लेग स्पिनर शादाब खान के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल कराने की कथित कोशिश को लेकर अपनी आशंका जाहिर की। मोईन के मुताबिक, भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए सेमीफाइनल में बिल्कुल नई पिच का



पाकिस्तान की गेंदबाजी ने इंग्लैंड को किया था परत

2017 चैम्पियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी थी। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 211 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने लक्ष्य हासिल कर फाइनल में जगह बना ली। मोईन अली ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान उस दिन बेहतरीन क्रिकेट खेला था और संभव है कि वह सामान्य परिस्थितियों में भी जीत हासिल कर लेता। हालांकि, उनके अनुसार पिच के चयन ने भारत-पाकिस्तान फाइनल कराने की आशंका को जन्म दिया।

इस्तेमाल हुआ था, जबकि इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला कार्डिफ में पुरानी और पहले इस्तेमाल की जा चुकी पिच पर कराया गया। उनका मानना है कि पिच के इस अंतर ने दोनों टीमों के प्रदर्शन को प्रभावित किया होगा।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी-20 मुकाबला आज हैदराबाद में रनों का तूफान, सूर्यवंशी फिर होंगे बाहर! भारत की नजरें होंगी सीरीज कब्जाने पर

हैदराबाद, एजेंसी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज का चौथा मैच आज बुधवार, को हैदराबाद में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और उसकी नजरें इस मुकाबले को जीतकर बढ़त मजबूत करने पर होंगी। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। कैरेबियाई टीम जीत दर्ज कर सीरीज में बराबरी करना चाहेगी। इंदौर में तीसरे मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। हालांकि, हैदराबाद के मैदान पर बड़े स्कोर की संभावना और ओस का असर दोनों टीमों के लिए चुनौती बन सकता है। मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर बाहर बैठना पड़ सकता है, जबकि संजू सैमसन के अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने की संभावना है।

वैभव सूर्यवंशी को फिर नहीं मिलेगा मौका? भारतीय टीम की संभावित एकादश में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। संजू विकेटकीपर की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। ऐसे में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर अंतिम एकादश से बाहर रहना पड़ सकता है। तीसरे नंबर पर ईशान किशन और चौथे नंबर पर कप्तान श्रेयस अय्यर उतर सकते हैं।



हैदराबाद में चौकों-छकों की बरसात के आसार

हैदराबाद का मैदान बड़े स्कोर वाले मुकाबलों के लिए जाना जाता है। यहां इंडियन प्रीमियर लीग में पिछले दो वर्षों के दौरान 310, 297, 286 और 277 रन जैसे बड़े स्कोर बन चुके हैं। भारत में टी20 क्रिकेट के शीर्ष आठ स्कोर में से चार इसी मैदान पर बने हैं। ऐसे में दर्शकों को एक बार फिर चौकों और छकों से भरपूर मुकाबला देखने को मिल सकता है। हालांकि, पिच को हाल ही में दोबारा तैयार किया गया है, इसलिए उसके व्यवहार को लेकर कुछ अनिश्चितता बनी हुई है। इसके बावजूद बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने के अवसर मिल सकते हैं। ओस पड़ने की स्थिति में दूसरी पारी में गेंदबाजी करना मुश्किल हो सकता है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, मुकाबले में बारिश की आशंका नहीं है। इस दौरे पर अब तक खेले गए छह मुकाबलों में केवल एक मैच में लक्ष्य का बचाव करने वाली टीम को जीत मिली है।

टॉस,ओस से पार, अब हुनर का मुकाबला

इंदौर के होलकर स्टेडियम में टीम इंडिया ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली।टीम इंडिया के लिए यह जीत जितनी अहम रही, उससे कहीं ज्यादा चर्चा टॉस, ओस और लक्ष्य का पीछ करने के समीकरण की रही। मौजूदा दौर पर पहली बार ऐसा हुआ, जब लक्ष्य का पीछ करने उतरी टीम को नाकामी हाथ लगी।गौरतलब है पहले वनडे और फिर टी-20 मुकाबलों में चेज करने वाली टीमों का पलट्टा भारी रहा था।सीरीज अब अपने निर्णायक दौर की ओर बढ़ रही है। हैदराबाद और बेंगलुरु में होने वाले अगले दो मुकाबलों में टॉस और ओस के साथ खिलाड़ियों की असल कबिलियत भी परीक्षा से गुजरेगी। शुरुआती दो टी-20 मैचों में टॉस और ओस की भूमिका निर्णायक रही, लेकिन इंदौर में ओस की गैरमौजूदगी ने मुकाबले का पूरा गणित बदल दिया। पहली बार दोनों टीमों को परिस्थितियों के बजाय अपने कौशल और रणनीति के दम पर नतीजा तय करने का मौका मिला। यही वजह रही कि मैच का रोमांच आखिरी क्षणों तक बना रहा।टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अश्विनी सिंह की प्रभावी गेंदबाजी ने साबित किया कि दबाव में अनुशासन और सही रणनीति किसी भी बड़े स्कोर के बचाव में अहम भूमिका निभाते हैं।इसच तो यह है कि टॉस हारने के बाद टीम इंडिया के सामने चुनौती आसान नहीं थी। छोटे मैदान पर वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना मुश्किल माना जा रहा था, लेकिन ओस नहीं पड़ने से गेंदबाजों को गेंद पर बेहतर नियंत्रण मिला। टी20 वर्ल्ड चैंपियन टीम के गेंदबाजों ने इसी मौके का फायदा उठाया और मेहमान टीम को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। मतलब साफ है कि मौजूदा दौर के शुरुआती मुकाबलों में टॉस, ओस और चेज का

समीकरण भले ही हावी रहा हो, लेकिन इंदौर ने मैच का रुख बदलने में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की अहमियत और उनका किरदार निर्णायक रहा। टी-20 क्रिकेट में परिस्थितियों का लाभ अपनी जगह है, मगर दबाव के क्षणों में सही फैसले और उनका प्रभावी क्रियान्वयन ही जीत का अंतर बनाते हैं। टीम इंडिया का एकादश संयोजन भी इंदौर में बेहतर साबित हुआ। मैदान के छोटे आकार और मुकाबले की जल्दरत को ध्यान में रखते हुए कुलदीप यादव की जगह प्रिंस यादव तथा शिवम दुबे की जगह रेड्डी को मौका देना टीम मैनेजमेंट की सटीक रणनीतिक सोच का हिस्सा रहा। ऐसे फैसले बताते हैं कि एकादश चयन में केवल नाम या साख ही नहीं, बल्कि हालात के अनुरूप संतुलन भी महत्वपूर्ण है।अब बाकी दोनों मुकाबलों में भी बल्लेबाजों के अनुकूल पाटा पिचों पर बड़े स्कोर बनने की उम्मीद रहेगी। ऐसे में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना और विपक्षी टीम पर स्कोरबोर्ड का दबाव बनाना भी बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, असली चुनौती परिस्थितियों को समझने, योजनाओं को अमल में लाने और दबाव में संयम बनाए रखने की होगी। फिर भी टीम इंडिया के एकादश चयन का सबसे बड़ा सवाल दोनों मैचों में यही रहने वाला है कि युवा विस्फोट वैभव सूर्यवंशी को आखिर कब और कैसे हेड कोच गंभीर टीम में एडजस्ट करते हैं।खैर हेड कोच व टीम मैनेजमेंट का नजरिया क्या है वह तो वक्त ही बतायेगा। भले ही वेस्टइंडीज टीम के खिलाड़ी चैंपियन न हों,लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि जिस अंदाज में भारतीय सरजमीं पर वह बल्लेबाजी कर रहे हैं उसके बाद इनको कमतर आंकने की गलती टीम इंडिया किसी भी हाल में नहीं कर सकती है।



आलोक गोस्वामी खेल विश्लेषक

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

‘किस किया तो पूरा हिंदुस्तान फतवा लगाने लगा’, एजाज खान के बोल्ट गाने पर मचा बवाल

मुंबई। छोटे पर्दे के चर्चित अभिनेता एजाज खान एक बार फिर अपने नए गाने को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका नया गाना ‘यारा ओ यारा’ रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गया है। गाने में विदेशी अभिनेत्री के साथ उनके कई बोल्ट और अंतरंग दृश्य नजर आ रहे हैं। खास तौर पर चुंबन वाले दृश्यों को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोग उन पर अश्लीलता फैलाने का आरोप लगा रहे हैं, तो कुछ धार्मिक मान्यताओं का हवाला देकर उन्हें निशाना बना रहे हैं। अब एजाज खान ने एक वीडियो साझा कर आलोचकों को जवाब दिया है।

चुंबन वाले दृश्यों पर क्यों मचा बवाल?– ‘यारा ओ यारा’ में एजाज खान विदेशी अभिनेत्री के साथ कई बार चुंबन करते दिखाई देते हैं। गाना सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कुछ लोगों ने उनके दृश्यों पर सवाल



उठाए, जबकि कुछ ने उनके धर्म का हवाला देते हुए आलोचना की। लगातार हो रही टिप्पणियों के बीच अभिनेता ने अपना पक्ष रखने का फैसला किया।

एजाज बोले- हर काम में कलाकार निभाता है किरदार- सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में एजाज खान ने कहा, आज पूरा हिंदुस्तान हम पर फतवा लगा रहा है कि हमने किस कर लिया।उन्होंने आलोचकों से कहा कि उन्हें समझना चाहिए कि कलाकार किसी भी काम में एक किरदार निभाता है। उन्होंने लोगों से चुंबन वाले दृश्यों के लिए गालियां नहीं देने की अपील भी की। अभिनेता ने वीडियो में गाने के निर्देशक की ओर केमरा घुमाते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि उनसे चुंबन के दृश्य निर्देशक ने करवाए थे। इस पर निर्देशक ने टिप्पणी की कि लोग गाना देख भी रहे हैं और उस पर प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं।

‘गाना मनोरंजन के लिए बनाया जाता है’

एजाज खान ने अपने बचाव में कहा कि गाने में संगीतमय लघु नाटिका दिखाई गई है, इसलिए उसमें रोमांस होना स्वाभाविक है। उनके मुताबिक, किसी भी मनोरंजन सामग्री को दर्शकों के लिए तैयार किया जाता है, न कि केवल अपने पास रखने के लिए। उन्होंने गाने के निर्माण में लगे पैसे का जिक्र करते हुए कहा कि निर्माता ने भी इसमें निवेश किया है और गाना चर्चा में है। अभिनेता ने कहा, गालियां मुझे दे दो, बस निर्माता के पैसे निकल जाएं। एजाज खान के बयान के बाद गाने और उनके दृश्यों को लेकर बहस जारी है। जहां कुछ लोग उनकी दलील का समर्थन कर रहे हैं, वहीं कुछ दर्शक गाने की प्रस्तुति पर सवाल उठा रहे हैं।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । इन्फोसिस के सह-संस्थापक और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के परीक्षा सुधारों के लिए गठित उच्चस्तरीय कार्यबल के अध्यक्ष नंदन नीलेकणि ने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर लोगों तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पहुंचाने और उसके उपयोग को व्यापक बनाने में दुनिया का नेतृत्व करेगा। ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोलते हुए नीलेकणि ने कहा कि आज हर कोई एआई को जीपीटी के रूप में

देख रहा है, लेकिन वास्तव में कोई भी जीपीटी मॉडल्स को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि एआई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां केवल एक ही कंपनी या कुछ चुनिंदा खिलाड़ी पूरा बाजार अपने कब्जे में कर लेंगे। उन्होंने कहा कि एआई इकोसिस्टम में बड़ी संख्या में कंपनियों और नवाचारों के लिए जगह होगी। नीलेकणि ने कहा, =इस तकनीक को बोलतल में बंद नहीं किया जा सकता। अधिक चिप्स आएंगे, नई तकनीकें विकसित होंगी और यह विनर टेक्स

सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए लंबी अवधि का नजरिया जरूरी, भविष्य में चिप बनेंगी आधार : चंद्रशेखरन

नई दिल्ली । टाटा संस के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र जैसे रणनीतिक क्षेत्र के लिए धैर्यवान पूंजी की आवश्यकता है और इसके लिए छोटी अवधि के लक्ष्यों से अधिक लंबी अवधि के नजरिए की आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम 2026 में बोलते हुए, चंद्रशेखरन ने कहा कि लक्ष्य दो साल में पूरे होते हैं या तीन साल में, यह अहम बात नहीं है क्योंकि चिप्स ही भविष्य का आधार बनने वाली हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया ने पहले भी मुश्किल दौर देखे हैं, लेकिन इस बार की स्थिति इसलिए अलग है क्योंकि भू-राजनीतिक उथल-पुथल, धातुओं की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संकट एक ही समय पर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, +अगर आप इस सच के साथ इसे डिजाइन करते हैं कि इसकी जरूरत भारत, ईसानियत और कंपनियों को है, तो आप सही दिशा में आगे

बढ़ेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि सब कुछ आसानी से हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पांच साल पहले के लगभग 12 अरब डॉलर से बढ़कर इस साल 48 अरब डॉलर हो गया है। चंद्रशेखरन ने कहा कि महत्वाकांक्षा के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन भी जरूरी है। उन्होंने कहा, +आपको बैलेंस शीट पर नजर रखनी होगी। इसलिए आप लापरवाही नहीं बरत सकते।+ उन्होंने कहा कि सिर्फ 2-नैनोमीटर चिप की घोषणा करने से काम नहीं चलेगा। टाटा को बाजार की मांग के हिसाब से चलना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को ग्लोबल पार्टनर्स की जरूरत है क्योंकि अभी हमारे पास सभी तरह की टेक्नोलॉजी मौजूद नहीं है। इसके अलावा, चंद्रशेखरन ने इस बात से असहमति जताई कि मजबूती हासिल करने के लिए कार्यक्षमता से समझौता करना पड़ता है।



मुंबई। नवरात्रि के पावन पर्व पर अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने अपनी खास नृत्य प्रस्तुति से भक्तिमय माहौल बना दिया। उन्होंने तेलंगाना में आयोजित एक समारोह में अपने प्रसिद्ध नृत्य नाटिका ‘दुर्गा’ की प्रस्तुति दी। शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से उन्होंने मां दुर्गा की शक्ति, भक्ति और दिव्य स्वरूप को दर्शाया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति का वीडियो सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसमें वह पार्वती माता के रूप में नजर आ रही हैं।

हेमा मालिनी ने 11 अक्टूबर को तेलंगाना के कलासिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित ‘अग्र दांडिया नवरात्रि समारोह’ में भाग लिया था।

नवरात्रि पर हेमा मालिनी का देवी अवतार, दुर्गा नृत्य प्रस्तुति से मोहा मन; पार्वती के रूप में दिखीं अभिनेत्री

कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल समाज की ओर से किया गया था। इसी अवसर पर महाराजा अग्रसेन जयंती भी मनाई गई। अपनी प्रस्तुति की झलक साझा करते हुए हेमा मालिनी ने खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि नवरात्रि के पहले दिन अग्रवाल समाज के इस समारोह में अपने प्रसिद्ध नृत्य नाटिका ‘दुर्गा’ को प्रस्तुत करना उनके लिए खुशी की बात थी। उन्होंने इस शुभ अवसर पर सभी को नवरात्रि और दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

साझा किए गए वीडियो में हेमा मालिनी पार्वती माता के रूप में दिखाई देती हैं। उनकी भाव-भंगिमाओं, नृत्य की मुद्राओं और लयबद्ध प्रस्तुति में भक्ति का भाव नजर आता है। उन्होंने शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से देवी के स्वरूप और शक्ति को मंच पर साकार करने का प्रयास किया। उनकी इस प्रस्तुति में भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और नृत्य कला का संगम देखने को मिला। नवरात्रि के दौरान देवी आराधना से जुड़ी इस प्रस्तुति ने समारोह को विशेष बना दिया।





50 हजार से ज्यादा लोगों के बीच स्विस राजदूत माया तिरसाफी ने खेला गरबा

वडोदरा। भारत के गुजरात का गरबा डांस पूरी दुनिया के लोगों को पसंद है, खासकर नवरात्री के दिनों में पूरे देश में गरबा की धूम होती है। ऐसे में भारत में रह रहे विदेशी राजदूत भी खुद को इससे अलग नहीं रख पाते हैं और पहुंच जाते हैं भारतीयों के बीच गरबा करने। हाल ही में स्विट्जरलैंड की राजदूत माया तिरसाफी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वे वडोदरा में आयोजित आयाक्याम 2026 महोत्सव के दौरान गरबा खेलती नजर आ रही है। इस आयोजन में लगभग 50 हजार से लोग एकसाथ गरबा किया।



न्यूज विंडो

गैस रिसाव के बाद लगी आग दो मासूम बच्चों की मौत



गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के सफियाबाद गांव में गैस रिसाव के बाद आग लगने से दर्दनाक हादसा हो गया। इस भीषण दुर्घटना में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हो गईं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

वकील को थप्पड़ मारने वाली डीएसपी अंजू यादव एपीओ



अजमेरा। अजमेर के किशनगढ़ में अधिवक्ता बाबूलाल बागोरिया को थप्पड़ मारने के मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय ने मंगलवार को ट्रैफिक डीएसपी अंजू यादव को एपीओ (पदस्थापन की प्रतीक्षा में) कर दिया। सड़क किनारे खड़ी कार को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते तूल पकड़ गया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई थी। अधिवक्ता समुदाय ने प्रदर्शन कर पुलिस प्रशासन के सामने अपनी नाराजगी जताई थी।

मुठभेड़ के बाद पटना कॉलेज में छापेमारी करने पहुंची पुलिस

पटना। पटना में बड़ी आपराधिक वारदात की साजिश रचने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कदमकुआं थाना क्षेत्र के पटना कॉलेज परिसर में छापेमारी के दौरान दो आरोपियों को पकड़ा गया। उनके पास से एक देसी कट्टा और दो कारतूस बरामद हुए। पूछताछ के आधार पर तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर फतुहा थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। यहां से एक और देसी कट्टा तथा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान आरोपी शुभम कुमार ने एसटीएफ पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी।

टाबे से लौट रहे युवक व ममेरे भाई को कैंटर ने कुचला



सोनीपत (हरियाणा)। सोनीपत के सुखदेव ढाबे पर खाना खाकर घर लौट रहे परिवार की खुशियां बहालगढ़ फ्लाईओवर के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे से मातम में बदल गईं। मंगलवार देर रात पानीपत-दिल्ली मार्ग पर कार खराब होने के कारण उसे धक्का लगा रहे युवक व उनके ममेरे भाई को तेज रफ्तार कैंटर ने कुचल दिया। हादसे में विशाल और प्रतीक कुमार घायल हो गए। दोनों को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल, सोनीपत ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद कैंटर चालक मौके से फरार हो गया।

जयशंकर का दो टूक संदेश



विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के बदलते वैश्विक संबंधों और विदेश नीति को लेकर अहम बातें कही हैं। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को आगे बढ़ाना आसान नहीं है। दुनिया में अमेरिका की भूमिका और दूसरे देशों के साथ उसके व्यवहार में बदलाव आया है। ऐसे में हर देश को अपने रिश्तों का नए सिरे से आकलन करना पड़ रहा है।

धार्मिक स्वतंत्रता का मतलब मनचाही सरकारी जमीन पाने का अधिकार नहीं: हाईकोर्ट

प्रयागराज। एजेंसी

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किसी समुदाय को अपनी पसंद की सरकारी जमीन आवंटित कराने का कानूनी हक नहीं देता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद में कब्रिस्तान के लिए जमीन देने की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि सार्वजनिक उपयोग के लिए जमीन आरक्षित करने का फैसला स्थानीय जरूरतों, व्यापक जनहित और कानून-व्यवस्था की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर प्रशासन को करना है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने क्रिश्चियन कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी की याचिका पर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ग्राम सभा या स्थानीय निकाय की जमीन को कब्रिस्तान जैसे सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित करना प्रशासनिक निर्णय है। इस प्रक्रिया में क्षेत्र की जरूरतों और विभिन्न व्यावहारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखना होता है। किसी व्यक्ति या समुदाय को अपनी पसंद की सरकारी जमीन को सार्वजनिक उपयोग के लिए परिवर्तित कराने का ऐसा कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

मेट्रो एंकर

बिहार के वैशाली जिले में नाव पलटने से हुआ था हादसा

मौत का ऐसा मंजर देख रो पड़ीं डीएम, एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे से पांच

वैशाली। एजेंसी

वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में मंगलवार रात हुए नाव हादसे ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव-गांव में मातम पसरा है। भोज खाने के लिए निकले 13 मासूमों की डूबने से मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक ही गांव से एक साथ कई बच्चों की अर्थियां उठीं। हर तरफ चीख-पुकार मची है और गांव के घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं। वहीं, अस्पताल में मृतक बच्चों के परिजनों का दर्द देखकर जिलाधिकारी वर्षा सिंह भी खुद को संभाल नहीं पाईं। वह परिजनों के गले लगकर रोने लगीं। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।



एक साथ इतनी अर्थियां उठने से रामपुर श्यामचंद गांव में मातम

इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसने कई परिवारों को उजाड़ दिया। जानकारी के अनुसार, एक ही घर से सात मासूम बच्चों के शव उठे, जबकि दूसरे घर से पांच बच्चियों की मौत हो गई। तीसरे घर के एक बच्चे की भी जान चली गई। एक साथ इतनी अर्थियां उठने से रामपुर श्यामचंद गांव में मातम छा गया है। जिन घरों में कुछ समय पहले तक खुशियां थीं, वहां अब अपनों को खोने का गम है। पूरे गांव में वीख-पुकार मची हुई है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर काम होना बाकी

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की बातचीत पर जयशंकर ने कहा कि कुछ मुद्दों पर अभी काम होना बाकी है। उन्होंने बताया कि अमेरिका जैसे बड़े बाजार के साथ व्यापार समझौते में केवल दोनों देशों के बीच तय होने वाली शर्तें ही मायने नहीं रखती, बल्कि यह भी देखना पड़ता है कि प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत की स्थिति क्या होगी।

अमेरिका से भारत का रणनीतिक साझेदारी वाला रिश्ता

विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका अपने गठबंधनों और सांधियों से जुड़े संबंधों की शर्तों की समीक्षा कर रहा है। इसका असर यूरोप और पूर्वी एशिया के कुछ देशों पर भी महसूस किया जा रहा है। हालांकि, भारत के मामले में स्थिति अलग है, क्योंकि भारत अमेरिका का आधिकारिक सेन्य सहयोगी नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदार है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 20 वर्षों में दोनों देशों ने साझा हितों और आपसी सहमति वाले मुद्दों पर मिलकर काम किया है। जयशंकर के मुताबिक, इस बुनियादी समझ में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

चीन के साथ रिश्ते सामान्य करने सीमा पर शांति जरूरी

भारत-चीन संबंधों पर कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा का औपचारिक निर्धारण नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि 1975 से 2020 तक सीमा पर किसी सैनिक की मौत नहीं हुई थी, लेकिन 2020 में सीमा पर हुए टकराव में दोनों पक्षों के सैनिक मारे गए। विदेश मंत्री के मुताबिक, 2020 की घटनाओं ने 1975 के बाद से बनी स्थिति को गहराई से बदल दिया।

ब्रिक्स समिट से बांग्लादेश ने बनाई दूरी

देश को हो सकता था आर्थिक और सामाजिक फायदा : शेख हसीना

नई दिल्ली। एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश के शामिल नहीं होने के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश इस सम्मेलन में शामिल होता तो देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए नए मौके मिल सकते थे। ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने से बांग्लादेश को विकास के नए अवसर मिल सकते थे। इससे देश की आर्थिक और

सामाजिक तरक्की के लिए नए रास्ते खुल सकते थे। किसी देश की विदेश नीति व्यक्तिगत नाराजगी या थोड़े समय के राजनीतिक फायदे को देखकर नहीं चलाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेश नीति से जुड़े फैसले लेते समय देश के हितों को ध्यान में रखना चाहिए। बांग्लादेश को ऐसी विदेश नीति अपनानी चाहिए, जो समझदारी भरी, संतुलित और आत्मविश्वास से भरी हो। उन्होंने यह बात भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में बांग्लादेश के शामिल नहीं होने के फैसले पर कही।



स्कूली छात्राओं ने एक दिन के लिए संभाली अफसरों की कुर्सी, लोगों की सुनी फरियाद

बांदा। एजेंसी

सुबह के 10 बजते ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में छात्रा अंशू सिंह ने कर्मचारियों की उपस्थिति और विभागीय कामकाज की जानकारी लेनी शुरू कर दी। उन्होंने निर्देश दिए कि अवकाश के दिनों को छोड़कर सभी कर्मचारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे कार्यालय पहुंचें और विभागीय कार्य समय से निपटाएं। नियमित रूप से देर से आने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी। नवरात्र पर मिशन शक्ति के तहत मंगलवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने एक दिन के लिए विभिन्न प्रशासनिक पदों की जिम्मेदारी संभाली। अफसरों की



कुर्सी पर बैठकर उन्होंने कामकाज समझने के साथ व्यवस्थाओं में सुधार और आमजन की समस्याओं के समय से निस्तारण पर जोर दिया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बड़ोखर खुर्द की कक्षा आठ की छात्रा अंशू सिंह को जिला बेसिक

शिक्षा अधिकारी बनाया गया। बीएसए अव्यक्त राम तिवारी ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। अंशू ने कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचने और विभागीय कार्यों का नियमित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

पंडरिया में दो बाइकों की भिड़त, हरियाणा के एक व्यक्ति की मौत

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के पंडरिया थाना क्षेत्र में रहमान कांपा के पास कल मंगलवार की देर शाम को दो मोटरसाइकिलों के बीच टक्कर हो गई। हादसे में हरियाणा निवासी 45 वर्षीय गुरुदेव सिंह की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पंडरिया पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने गुरुदेव सिंह को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना पंडरिया थाना क्षेत्र के रहमान कांपा के पास हुई। हीरो स्प्लेंडर में गुरुदेव सिंह (45) और अरसिद खान (41) सवार थे। वहीं, होंडा साइन पर सुनील कुमार कोसरिया (24) सवार थे। वे भी दुर्घटना में घायल हुए हैं।